वैशाख कृष्ण पक्ष-10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 317 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

03 मई 2024 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

38 अधिकतम

24 न्यूनतम

Page- 7

भारत का सियासी मिजाज समझना इतना भी आसान नहीं

2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर भाजपा के गठजोड़ वाले एनडीए और कांग्रेस की अगुआई में चुनावी समर में डटे इंडिया गठबंधन के दलों के बीच दावे प्रतिदावों की होड़ है। मोदी ने भाजपा को 370 और एनडीए को चार सौ पार पहुंचाने का राग छेड़ रखा है तो राहुल गांधी को लगता है कि भाजपा की सीटों का आंकड़ा 150 के पास सिमटकर रह जाएगा लेकिन राहुल अपने गठबंधन की सीटों के बारे में कुछ भी नहीं कह रहे हैं। दावों-प्रतिदावों के बीच असलियत यही है कि इस देश के सियासी मिजाज को समझने को कोई तैयार नहीं है। फिर चाहे वह नरेंद्र मोदी हो या अमित शाह। खासतौर से राहुल गांधी तो जनता की नब्ज को थामने के मामले में बेहद कमजोर धरातल पर खड़े नजर आते हैं। उनके मुकाबले प्रियंका गांधी की समझ का स्तर थोड़ा बेहतर है। लेकिन गांधी परिवार ने उनकी राजनीतिक लांचिंग में जहां दस साल नहीं तो पांच साल की देरी तो कर ही दी है, दूसरा राबर्ट बाड्रा का नाम उनके साथ चस्पा है जो उनकी सियासी हसरतों को मीलों पीछे ले जाता है। बीते चुनाव में 2019 में यह 50 का आंकड़ा बमुश्किल पार कर सके राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने भाजपा को छोड़ उन दलों के बूते सत्ता के सिंहासन का सपना संजो रखा है जिनके चलते उसका ग्राफ रसातल में पहुंचा।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

इनमें बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने ऐन मौके पर पल्ला झाड़ लिया तो दिल्ली में कांग्रेस की नैया डुबोने वाली आप ने अपनी शर्तों के साथ समझौता करके उसका साथ देने का फैसला किया। तमिलनाडू में कांग्रेस कभी अन्ना द्रमुक तो कभी डीएमके के भरोसे चुनाव लड़ती आई है, लेकिन कांग्रेस से अलग हुए जगन रेड्डी की वायएसआर और तेलंगाना में उसकी प्रमुख विपक्षी पार्टी केसीआर की बीआरएस ने भी उसके साथ आने से मना कर दिया। यही हाल यूपी में मायावती की बसपा और बिहार में जेडीयू का रहा। उड़ीसा में बीजू जनता दल कांग्रेस से लंबे अरसे दूरी बनाकर चल रही है। कर्नाटक में जिस जेडीएस परिवार के सदस्यों रेवन्ना और उनके पिता को दुष्कर्मो के मामले में भाजपा

को भूल रही है, लोग जानते हैं कि चार साल पहले उसी जेडीएस को खुला समर्थन देकर कुमार स्वामी को सीएम बनवाया था। बैंगलूरू में उनकी शपथ के वक्त विपक्षी दलों की एकता की नुमाइश को जनता भूली नहीं है। अब कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना में सत्ता में जिस तरह से गुल खिला रही है, उसको देख साफ लगता है कि दोनों ही दक्षिणी राज्यों में भाजपा का कमल गुल खिलाने वाला है। बंगाल में वामपंथ के साथ लड़ रही कांग्रेस को तृणमूल और भाजपा के रहते ज्यादा उम्मीद करना बेकार है तो केरल में उसी वामपंथी गठबंधन के खिलाफ उसे ज्यादा बड़ी कामयाबी के आसार नहीं दिखते। दक्षिण के राज्यों इस बार तमिलनाडू और केरल में भाजपा अपना प्रभाव बढ़ाती दिख रही है तो आंध्र में टीडीपी गठजोड़ से उसकी उम्मीदें कुलांचे मार रही है।

कांग्रेस की चुनौती सिर्फ मोदी-शाह और योगी नहीं

इस बात में कोई राय नहीं कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस के सामने मोदी मेजिक के साथ शाह और योगी की ही चुनौती नहीं है। देश में कुलांचे मारता सनातनी भाव और हिंदुत्व का जादू भी है जिसे कांग्रेस और उसके सहयोग दल लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। 'इस जहां में मेरी तबाही का बस इतना सा है सबब, मुझे तो लूटा है खुद मेरी जिदों ने ' किसी शायर की ये पंक्ति राहुल और उनकी कांग्रेस पर सूट करती हैं। कांग्रेस को लगता है कि सोलह फीसदी मुसलमान और करीब इतने ही तथाकथित सेक्युलर हिंदु मतदाता लगा देंगे। कांग्रेस के मुस्लिम मोह के चलते दलित और आदिवासी और ओबीसी सहित सर्वहारा वर्ग उससे दूर छिटक गए हैं, जबकि देश के मुस्लिमों का बड़ा वर्ग तो कांग्रेस के वैसे ही साथ है। कांग्रेस का 'सबका साथ सबका विकास' वाला नारा बुलंद करते थे। आक्रामकता के फेर में राहुल गांधी वामपंथ के उस साम्यवादी ट्रेक पर कांग्रेस को ले गए हैं जिसमें सबकी संपत्ति का बराबर बांटने की बरसों पुरानी रूसी और चीनी थ्योरी को उनकी सरकारें ही भुला चुकी हैं। मोदी-शाह को कोसते वक्त राहुल यह भूल जाते हैं कि उनके परिवार ने सत्ता में रहते हुए संविधान की कितनी धज्जियां उड़ाई हैं। गांधी परिवार के सिवाए इक्के दुक्के मौकों को छोडकर पैंसठ सालों में कांग्रेस परिवार के कितने दिग्गजों की दावेदारी को बेहद चतुराई से दरकिनार किया है। अब अस्सी पार खरगे के भरोसे कांग्रेस परिवारवादी पार्टी के भाजपाई आरोपों से भला कैसे मुक्ति पा सकती है।

मतदान के रूझान से घबराहट या 400 पार का अति आत्मविश्वास?

शुरूआत के दो चरणों में गिरते मतदान के प्रतिशत से भाजपा घबराहट में या फिर 400 पार का नारा महज एक जुमला है? मतदान का प्रतिशत बढ़ाने और सनातनी भाव के मतदाताओं को चिलचिलाती धूप में ज्यादा से ज्यादा तादाद में निकालने की कवायद में एनडीए की घबराहट साफ झलकती है। पचास फीसदी से ज्यादा मत हासिल करने का सपना पीछे छूटता दिखता है। भाजपा सनातनी भाव के भरोसे भले ही हो लेकिन बड़बोले बोल और लोकतंत्र में जरूरी मजबूत विपक्ष की तौहीन भारत और भारतीयों के सियासी मिजाज को चिढ़ाते हैं। चुनाव को मोदी केंद्रित करने की रणनीति, मोदी मैजिक की आड़ में कमजोर अनजाने से प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर उन्हें जिताने का अहंकार भी भाजपा के सामूहिक नेतृत्व के भाव को पलीता लगाता है। 2019 में जिस सोशल मीडिया के सहारे मोदी ने भाजपा को तीन सौ पार पहुंचाया था , वही सोशल मीडिया इस बार भाजपा पर भारी दिख रहा है। कांग्रेस मीडिया को गोदी मीडिया भले कहे लेकिन सोशल मीडिया के मामले में वह जैसे को तैसा वाला जवाब दे रही है। जाहिर है कि इसी के चलते बिहार और बंगाल में भाजपा की उम्मीदों के मुताबिक जीतती नहीं दिख रहीं। यूपी में मोदी-योगी मैकि भले चल जाए लेकिन मध्यप्रदेश की आठ और राजस्थान की कम से कम 5 सीटों पर उसे कांग्रेस के कड़ी चुनौती मिल रही है। यही हाल हरियाणा और महाराष्ट के हैं। बावजूद इसके भाजपा और एनडीए अपने बूते पर भले ही बहुमत का आंकड़ा पार कर ले पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और खुद भाजपा चुनाव बाद जरूर चिंतन करना चाहेगी।

भाजपा ने इमरती मुद्दा थामा पटवारी का होगा विरोध

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा भाजपा नेता व पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर सियासत गरमा गई है। भाजपा ने तय किया है कि पटवारी जहां-जहां भी जाएंगे, वहां काले झंडे दिखाकर विरोध किया जाएगा। दरअसल, ग्वालियर में पटवारी ने कहा था कि अब इमरती देवी का रस खत्म हो गया है। हालांकि पटवारी ने इस पर खेद व्यक्त कर दिया है तथा यह भी कहा है कि उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।

सीएम ने लिखा था पीएम को पत्र, डिप्लोमेटिक पासपोर्ट पर भागे सैक्स स्केंडल के आरोपी सांसद

नई दिल्ली। जनता दल (सेक्युलर) के कर्नाटक सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं का यौन शोषण का आरोप लगा है लेकिन इसके वीडियो वायरल होने के बीच ही वे जर्मनी भागने में कामयाब हो गये। परिवार का कहना है कि रेवन्ना पहले से ही बाहर जाने वाले थे, और मामले से उनके गायब होने का कोई संबंध नहीं। हालांकि सवाल उठ रहा है कि आरोप लगने के बाद सांसद को बाहर जाने की इजाजत कैसे मिली। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सांसद के बाहर जाने को लेकर राजनीतिक मंजूरी नहीं ली गई, बल्कि वे डिप्लोमेटिक पासपोर्ट पर जर्मनी गए हैं। इसके लिए कोई इजाजत नहीं दी गई, न ही वीजा जारी हुआ। जिन लोगों के पास ये पासपोर्ट होता है, उन्हें वीजा की जरूरत नहीं। हालांकि खबरें हैं कि इससे एक दिन पहले ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा था कि वे विदेश मंत्रालय और होम मिनिस्ट्री से आरोपी का पासपोर्ट जब्त करने को कहें ताकि उन्हें डिप्लोमेटिक ट्रीटमेंट न मिल सके।

शिवसेना नेता को लेने जा रहा चॉपर क्रेश, पायलट ने कूदकर जान बचाई

मुंबई। एक निजी हेलीकॉप्टर के लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर उद्धव शिवसेना की उप नेता और प्रवक्ता सुषमा अंधारे को लेने जा रहा था। हालांकि, पायलट की जान बाल-बाल बच गई। अंधारे ने इस घटना का एक वीडियो साझा किया है। जिसमें दिखाई दे रहा है कि हेलिकॉप्टर एक अज्ञात स्थान पर लैंडिंग का प्रयास कर रहा था और अचानक लड़खड़ा गया, संतुलन खो बैठा और फिर खुले मैदान में तेज आवाज के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके पहले ही पायलट नीचे कूद गया। उसे चोटें आई हैं।

अचानक भोपाल पहुंचे भाजपा के अध्यक्ष ने नेताओं से पूछे सवाल

नड्डा ने पूछा-वोट प्रतिशत क्यों गिरा जवाब मिला-कांग्रेसी बाहर नहीं निकले!

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रदेश में पहले और दूसरे चरण के तहत 12 सीटों के लिए वोटिंग 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम है। इसी ट्रेंड ने भाजपा को चिंता में डाल रखा है। क्योंकि,भाजपा प्रत्येक सीट पर जीत का रिकार्ड बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का मंत्र दे चुके हैं। ऐसे में गिरते वोटिंग प्रतिशत पर भोपाल पहुंचे भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नेताओं से वजह पूछी। जिसमें जवाब मिला कि कांग्रेसी बाहर नहीं निकल रहे हैं, सूत्रों की माने तो इस जवाब पर नड्डा ने कहा कि भाजपा कोई भी काम कांग्रेस के भरोसे नहीं करती। यदि कांग्रेस के कारण मतदाता नाराज है तो यह और अच्छी बात है, इसे भाजपा के लोग मिलकर सकारात्मकता में बदले, घर-घर जाएं और भाजपा की रीति नीति से अवगत कराएं। प्रत्येक नेताओं को टॉस्क दिया गया है कि वह भाषणबाजियों से अलग जमीन पर उतरकर बूथों का प्रबंधन भी देखें। उन्होंने चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक भी ली। जिसमें सीएम यादव, वीडी शर्मा, महेंद्र सिंह व अन्य मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि नड्डा बीती रात सिरोंज में सभा के बाद भोपाल लौटे थे। रात में चॉपर के उड़ान नहीं भरने के कारण वह दिल्ली नहीं लौट सके और सड़क मार्ग से रात भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां रात करीब 11 बजे तक रहे। उन्होंने तीसरे व चौथे चरण के लिए जुट जाने के निर्देश दिए। इसके बाद विश्राम के लिए होटल जहांनुमा चले गए।

उप्र में योगी के साथ प्रचार पर यादव

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज उप्र के संभल लोकसभा क्षेत्र में उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ असमोली में कैलादेवी टेंपल ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद वे बंदायू लोकसभा लोकसभा सीट पर भी योगी के साथ सभा के लिये गुन्नौर पहुंचे हैं। यहां से लौटकर वे शाम को मुरैना लोकसभा में जनसभा व रोड शो में शामिल होंगे तथा दतिया पहुंचकर मंदिर दर्शन व जनसंपर्क करेंगे।

आखिरी किला बचाने कांग्रेस ने झोंकी उम्मीदें, राहुल परचा भरने पहुंचे

रायबरेली, एजेंसी।

रायबरेली में राहुल गांधी ने आज अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। इस मौके पर सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी,मल्लिकार्जुन खड़गे समेत तमाम कांग्रेस नेता मौजूद हैं। यह एकमात्र सीट है जिस पर कांग्रेस का कब्जा था, 2019 का चुनाव यहां से सोनिया गांधी जीती थीं, अब वे चुनावी राजनीति से दूर हो गई हैं। यह सीट कांग्रेस का परंपरागत गढ कहलाती है। भाजपा ने यहां कल ही अपना उम्मीदवार तय किया था। राहुल ने वायनाड से भी चुनाव लडा है,जहां इस बार उन्हें माकपा ने कडी चुनौती दी है।

अमेठी में कांग्रेस ने 99 का फार्मूला आजमाया

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की हाईप्रोफाइल अमेठी सीट से किशोरीलाल शर्मा को उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस ने 25 साल पहले वाला मिथक आजमाने का प्रयास किया है। वहं यह भी साफ हो गया है कि प्रियंका गांधी वाड्रा अभी चुनावी राजनीति में नहीं उतर रही हैं। केएल शर्मा राजीव गांधी व सोनिया के सहायक रहे हैं। भाजपा की स्मृति ईरानी की नजर 1998 का ट्रेंड तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार संसद पहुंचने वाली अमेठी से बीजेपी की पहली सांसद बनने पर है। जबकि कांग्रेस को 1999 के नतीजे दोहराते हुए हारी सीट फिर जीत लेने की उम्मीद है। दरअसल कांग्रेस ने 1998 में हारे उम्मीदवार की जगह नए चेहरे पर दांव लगाया था। इस बार भी वही फॉर्मूला है। 1998 के लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट पर कमल खिला था,तब संजय सिंह ने कांग्रेस के कैप्टन सतीश को 23 हजार वोट से हरा दिया था लेकिन 99 में इस सीट से कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चुनावी डेब्यू किया और जीतकर पहली बार संसद पहुंचीं।

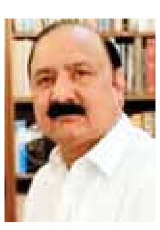

पीएम बोले-भागो मत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बंगाल के बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर भी निशाना साधा व कहा मैंने पहले ही ये भी बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हार के डर से अपने लिए दूसरी सीट खोज रहे हैं। अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है। ये लोग घूम-घूम कर सबको कहते हैं - डरो मत। मैं भी इन्हें यही कहूंगा - डरो मत! भागो मत!

बजाज के शेयर बने रॉकेट

निफ्टी ने रचा इतिहास, बाजार में गजब की तेजी

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार की आज शानदार शुरुआत हुई है। निफ्टी अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया है तो सेंसेक्स भी 75 हजार के पार खुला। सेंसेक्स 382 अंक चढ़कर 74994 लेवल पर कारोबार कर रहा है तो निफ्टी ने कीर्तिमान हासिल करते हुए अपने रिकॉर्ड स्तर 22,794 पर पहुंचा। सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 25 शेयरों में शानदार तेजी देखी गई है। वहीं भारती एयरटेल में सबसे ज्यादा 1 फीसदी की गिरावट आई है। जबकि बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा 6.78 त्न की तेजी आई है, जो अब 7347.60 रुपये पर पहुंच गया।

क्यों आई इतनी तेजी : माना जा रहा है कि ग्लोबल बाजार में शानदार तेजी के कारण आज घरेलू बाजार में भी तेजी देखी जा रही है। वहीं आरबीआई की ओर से बजाज फाइनेंस से प्रतिबंध हटाने के बाद इसके शेयरों में शानदार उछाल आई है, जो सेंसेक्स में तेजी आने का एक कारण हो सकता है। इसके अलावा, कल कई कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजे जारी किए थे, जिसमें उन्हें तगड़ा मुनाफा हुआ।

संयुक्त राष्ट्र में फिर भारत ने पाक को लताड़ा

पाक का ट्रैक रेकार्ड संदिग्ध, शिष्टाचार की भी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगा दी है। भारत ने पाकिस्तान की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड हर मामले में संदिग्ध है। संयुक्त राष्ट्र में 'शांति की संस्कृति' विषय पर आमसभा की बैठक में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने भारत के खिलाफ बयानबाजी की और कश्मीर, सीएए और अयोध्या के राम मंदिर के मुद्दे पर भारत के खिलाफ टिप्पणियां की। इसका जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने पाकिस्तान को कहा कि 'इस सभा में हम शांति की संस्कृति की बात कर रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारा फोकस रचनात्मक बातचीत पर होना चाहिए। ऐसे में हमें एक प्रतिनिधिमंडल (पाकिस्तान) की टिप्पणियों को नजरअंदाज करना चाहिए क्योंकि उनमें न सिर्फ शिष्टाचार की कमी है, बल्कि उनका खुद का ट्रैक रिकॉर्ड हर मामले में संदिग्ध है। ये अपनी विनाशकारी और हानिकारक स्वभाव के चलते हमारे सामूहिक प्रयासों को भी गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।'कंबोज ने कहा कि हम चाहेंगे कि ये प्रतिनिधिमंडल सम्मान और कूटनीति के आधारभूत सिद्धांतों का पालन करे।

शहर में सड़कों के गड्ढे और खुदाई बनी मुसीबत

भोपाल राजधानी की सड़कों पर गड्ढे और बार-बार होने वाली सड़कों की खोदाई लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। एक तरफ सड़कों के गड्ढों में वाहन चालक फंस कर गिर रहे हैं तो दूसरी ओर सीवेज, केबल, पानी की लाइन बिछाने के लिए खोदी जाने वाली सड़कों से लोग परेशान हैं। नगर निगम प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, भेल नगर प्रशासन सहित अन्य शासकीय एजेंसियों के जिम्मेदार अफसर सड़कों की मरम्मत के प्रति उदासीन हैं, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जोन ने पिछले वर्षों की तुलना में अब तक की रिकार्ड कमाई की

यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाकर भोपाल रेलवे ने 2110 करोड़ रुपए कमाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यात्रियों को एक से दूसरे स्टेशन तक पहुंचाकर भोपाल रेल मंडल ने पिछले एक साल में 2110 करोड़ रुपये कमाए हैं। यह कमाई पिछली कमाई के रिकार्ड से अधिक है। इसके अलावा भी मंडल ने स्क्रैप की बिक्री समेत अन्य मदों में कमाई करने का रिकार्ड बनाया है। विभिन्न मदों से कमाई का यह पैसा, रेल यात्रियों की सुख–सुविधाओं पर खर्च किया जा रहा है। रेलवे तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है। वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनों की सौगात भी मिल रही है।

असल में भोपाल जैसे तीन मंडलों को मिलाकर पश्चिम मध्य रेलवे बनता है। इसमें जबलपुर व कोटा भी आते हैं। इन सभी ने अपने–अपने स्तर पर यात्रियों को अच्छी सुविधाएं देकर रिकार्ड राजस्व हासिल किया है।

जोन ने किस मद में कितना कमाया

- **रिकॉर्ड कैपेक्स:** वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूपये 7218 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रूपये 10275 करोड़ का रिकॉर्ड कैपेक्स के साथ 42 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। जिससे अधोसरंचना कार्यो में वृद्धि के साथ गति भी मिल रही है। यह पश्चिम मध्य रेल का उच्चत्तम कैपेक्स रिकॉर्ड है।

- **प्राम्भिक (ऑर्जिनेटिंग) आय :** वित्तीय वर्ष 2022-23 के 7808 करोड़ रुपये की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 8492 करो? रुपये का ऑर्जिनेटिंग राजस्व हासिल किया है, जो कि 09 प्रतिशत अधिक है। इस वित्तीय वर्ष में पश्चिम मध्य रेल ने अब तक का रिकॉर्ड ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। इसमें जबलपुर मंडल ने वर्ष 2023-24 के दौरान 4845 करोड़ रुपये ऑर्जिनेटिंग रेवन्यू अर्जित किया, जो वर्ष 2022-23 में 4254 करोड़ रुपये अर्जित रेवन्यू की तुलना से 14 प्रतिशत अधिक है। भोपाल मण्डल ने वर्ष 2023-24 के दौरान 2110 करोड़ रुपये ऑर्जिनेटिंग रेवन्यू अर्जित किया, जो वर्ष 2022-23 में 2036 करोड़ रुपये अर्जित रेवन्यू की तुलना से 04 प्रतिशत अधिक है। वहीं कोटा मण्डल ने वर्ष 2023-24 के दौरान 1537 करोड़ रुपये ऑर्जिनेटिंग रेवन्यू अर्जित किया, जो वर्ष 2022-23 में 1518 करोड़ रुपये अर्जित रेवन्यू की तुलना से 01 प्रतिशत अधिक है।
- यात्री यातायात के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के 2072 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 2335 रुपये का रेल राजस्व हासिल किया है जो कि 13 प्रतिशत अधिक है।
- माल यातायात के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के 5370 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 5763 करोड़ रुपये का रेल राजस्व हासिल किया है जो कि 7 प्रतिशत अधिक है।
- संड्री आय के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के 199 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 230 करोड़ रुपये का संड्री आय हासिल की है जो कि 16 प्रतिशत अधिक है।
- **स्क्रैप बिक्री:** वित्तीय वर्ष 2022-23 में 236 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष में 2023-24 के दौरान 346 करोड़ रुपये की स्क्रैप बिक्री की गई, जो कि 46 प्रतिशत से अधिक है। पश्चिम मध्य रेल ने गत वित्तीय वर्ष में सर्वोत्तम स्क्रैप बिक्री दर्ज किया।
- **जीएसटी कलेक्शन:** वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूपये 403 करोड़ 08 लाख की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान रूपये 454 करोड़ 9 लाख का जीएसटी कलेक्शन हासिल कर लगभग 13 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

मिसरोद में मासूम के साथ दुराचार का मामला

कलेक्टर, पुलिस आयुक्त व डीईओ को जांच के निर्देश, तीन बिंदुओं पर रिपोर्ट तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला राजधानी के मिसरौद स्थित स्कूल के छात्रावास में आठ साल की मासूम के साथ दुराचार का है। मामले में आयोग ने कलेक्टर, पुलिस आयुक्त और जिला शिक्षा अधिकारी, को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने तीन बिन्दुओं पर तीन सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग ने अधिकारियों से पूछा है कि पीड़ित बालिका की सुरक्षा, देखभाल, सरंक्षण, विधिक परामर्श एवं प्रभावी स्वास्थ्य सुविधा के सम्बन्ध क्या कार्यवाही की गई ? दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई ? संबंधित हॉस्टल के प्रभारी एवं स्कूल संचालक आदि के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ? बता दें कि मिसरोद इलाके में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक आठ साल की बच्ची के साथ स्कूल के हॉस्टल में वार्डन द्वारा दुराचार करने की घटना सामने आई है।

जेपी में गर्मी से मरीज हलाकान

भोपाल जिले के जय प्रकाश अस्पताल में गर्मी के कारण मरीजों को परेशान होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में मरीजों के लिये लगे पंखो से गर्म हवाये आ रहीं है, और वाटर कूलर में भी ताला लगा हुआ हैं। जिस कारण मरीजों को शीतल जल नही मिल पा रहा है। भीषण गर्मी में अस्पताल में हो रही असुविधाओं के अभाव में मरीजों और उनके परिजनों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में संज्ञान आयोग ने आयुक्त, संचालक स्वास्थ्य सेवायें म.प्र. शासन संचालनालय भोपाल से मामले की जांच कराकर रिपोर्ट मांगी है।

बच्चों को खेल प्रशिक्षण जरूरी-सिद्धभाऊजी

नवनिध के समर कैंप में खेलों का प्रशिक्षण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी स्कूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें खेल प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न खेलों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय प्राचार्य अमृता मोटवानी, उपप्राचार्य रेखा केवलानी के द्वारा ध्वज लहराते हुए कैंप का शुभारंभ किया गया।

संस्था के अध्यक्ष सिद्धभाऊजी ने अपने संदेश में कहा कि विद्यार्थियों को खेलों एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना आवश्यक है, विद्यार्थी जीवन में इस तरह के खेल प्रशिक्षण की आवश्यकता है जिससे वे शारीरिक रूप से बलवान और स्वस्थ बनें ताकि भविष्य में अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पूरी ताकत से और मन लगाकर कर कार्य सकें।

निशुल्क ग्रीष्मकालीन समर कैंप में छात्राओं को एरोबिक्स, जूडो, हूलाहुप, वॉलीबॉल खो खो स्केटिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कैंप में कक्षा पहली से 12वीं तक की छात्राएं सुबह 7 से 9 बजे तक प्रशिक्षण लेंगी। बच्चों को खेल शिक्षिका पूजा आनंद, नीतू कुशवाह, चंचल कुशवाहा, शिवांगी कुशवाहा प्रशिक्षण दे रही हैं।

बच्चों को टीवी मोबाइल से दूर रखने खेलों में जोड़ने के प्रयास

भोपाल। राजधानी के हर्षवर्धन नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय मे 3 से 15 वर्ष तक के बच्चों का मासिक खेल प्रशिक्षण का शुभारंभ गुरूवार से हुआ। वरिष्ट समाज सेवी महेन्द्र दवे एवं प्रवीण उपाध्याय ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर सभी बच्चों को तिलक लगाकर खेल प्रशिक्षण शिविर की प्रवेशिका पहनाई। 'विद्या भारती मध्य प्रांत के प्रशिक्षण प्रमुख राजेन्द्र परमार एवं खेल शिक्षक आकाश महस्तकर ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी।'विद्यालय प्रधानाचार्य नम्रता तिवारी ने बताया खेल प्रशिक्षण शिविर में 3 से 15 वर्ष के 50 बच्चे पंजीकृत है जिसमें अन्य स्कूलों मे प?ने वाले बच्चे अधिक है। पारंपरिक खेलो के साथ बच्चो को इंदौर गेम्स और खेल विज्ञान टॉय लॉयब्रेरी के भी खेल खेलने का अवसर मिलेगा।

पूज्य सिंधी पंचायत इसरानी मार्केट के अध्यक्ष बने अंदानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत इसरानी मार्केट भोपाल का गठन सर्व सम्मति से किया गया। पंचायत का अध्यक्ष लखू अंदानी को बनाया गया है। उपाध्यक्ष मनीष होलारामानी. प्रीतम आसवानी महासचिव गोपाल सेवानी कोषाध्यक्ष रमेश आहुजा को चुना गया है। पंचायत पदाधिकारियों को संत साईं लाल दासजी (चकरभाटा) विधायक भगवान दास सभनानी, पूर्व अध्यक्ष सिन्धी सेन्ट्रल पंचायत भगवान देव इसरानी, सिन्धी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष किशोर तनवानी, महासचिव हरीश नागदेव संतनगर अध्यक्ष साबू रीझवानी, माधु चांदवानी ने बधाई दी है। लखू अंदानी ने कहा कि समाज और सेवा कार्यों में अपनी जिम्मेदारी को निभाने की कोशिश करूंगा। बता दे अंदानी निःस्वार्थ भाव से संस्था की जिम्मेदारी संभालते हुए मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सभी पदाधिकारियों के सहयोग से करते है।

भाजपाइयों ने घर-घर जाकर बांटीं पर्ची

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर भाजपा का वार्ड पांच में जनसंपर्क अभियान जारी है। फिर मोदी सरकार और भोपाल संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी आलोक शर्मा के लिए भाजपाइयों ने वोट मांगे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत के वार्ड पांच के 94 बूथ के मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदाता पर्ची दी। राजपूत ने मतदाताओं के सामने मोदी सरकार के कामों को गिनाया। सात मई को कमल पर मतदान का आग्रह किया। अभियान में बूथ के पालक संतोष नाथ, महामंत्री किशोर पहला जानी, हेमंत अग्रवाल, सचिन तिवारी, लोकेश बैरागी मिट्ठूलाल मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

25 दिनी समर कैंप की शुरूआत, विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण

संस्कार में गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करेंगे बच्चे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नृत्य, खेलकूद, संगीत, कम्प्यूटर एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट की शिक्षा दी जायेगी।

कैंप का शुभारंभ गुरूवार को मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सह-सचिव नरेश वासवानी, पत्रकार दिलीप मंगतानी, राजकुमार थावानी ने परंपरागत तरीके से किया गया।

संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि जो बच्चें इस शिविर में भाग ले रहे है, वे 25 दिन में हुनर सीखेंगे। कर्नल पारवानी ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश सिर्फ अवकाश मनाने के लिए नहीं बल्कि समय का सदुपयोग करने के लिए है जिसके लिए यहां पर ग्रीष्मकालीन शिविर का अयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि आप शिक्षा को तो 10 महीने देते है बाकी का विकास इस मनोरंजन से ही पूरा होगा। समय के सदुपयोग के लिए इस शिविर से ज्यादा उचित कोई स्थान नहीं है।

कार्यक्रम में प्राचार्य आर.के. मिश्रा, उपप्राचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, समस्त शिक्षक समुदाय, विद्यार्थीगण एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

गर्मी का असर- अभी मेहमान नहीं बनेंगे चीते गांधी सागर अभयारण्य में बसना है इन्हें

दक्षिण अफ्रीका दल के दौरा करके लौटने के बाद यह बात निकलकर आई है कि चीते बारिश बाद दिए जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में जिन चीतों को बसाया जाना है, उनकी शिफ्टिंग टलती जा रही है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका दल के दौरा करके लौटने के बाद यह बात निकलकर आई है कि चीते बारिश बाद दिए जाएंगे। इसका मतलब गांधी सागर में जो तैयारियां कर रखी है, उसे बारिश के बाद तक और पुख्ता करना होगी। तब चीते आएंगे। शिफ्टिंग टालने की वजह गर्मी और फिर बारिश को बताया गया है, जिसमें कि चीतों को एक से दूसरी जगह शिफ्ट करने में मुश्किलें आ सकती है। शिफ्टिंग के लिए अच्छा मौसम ठंड को बताया गया। ये चीते दक्षिण अफ्रीका से लाए जाने हैं।

उल्लेखनीय है कि पालपुर कूनो अभयारण्य में 20 वयस्क चीतों को बसाया गया है। पहले 17 सितंबर 2022 को 8 चीते नामीबिया से लाए गए। फिर 18 फरवरी 2023 को 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से लाए थे। इनमें से 13 वयस्क चीते जीवित है। यही नहीं, इनसे जन्में 14 शावक भी उछल-कूद कर रहे हैं।

विशेषज्ञों ने राय दी है कि गर्मी में दिक्कत हो सकती है। बारिश के समय अभयारण्य के अंदर तक आने-जाने में असुविधा हो सकती है, इसे भी ध्यान में रखा जा रहा है। फिलहाल ठंड को शिफ्टिंग के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया को भारत में चीतों का कुनबा बढने् की आस बंध गई है, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका दूसरी बार भारत को चीते देने के लिए राजी हुआ है। इसके लिए गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के लिए जरुरी इंतजाम किए गए हैं। इनमें बाड़ा, हाउसिंग निर्माण, 21 किलोमीटर क्षेत्र में सौलर तार फेंसिंग का काम पूरा हो गया है। बड़ी संख्या में चीतल, हिरण, सांभर, नीलगाय की शिफ्टिंग की जा रही है। सुरक्षा के लिए हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं। कम से कम समय में संवाद के लिए अतिरिक्त वॉकी-टॉकी उपकरण खरीदे गए हैं। पेड़ों का घनत्व व हरित कवर बढ़ाने के लिए पौधे लगाने की योजना पर काम जारी है।

राजधानी में अब दोनों ओर रोड शो का जोर

अब शहर पर भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवार का फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तीसरे चरण के मतदान के पहले अब राजधानी में चुनाव का रंग सुर्ख हो चला है। भाजपा के सूत्रधार अमित शाह के दौरे के बाद अब भोपाल में सीएम मोहन यादव ने सीधा फोकस रखा है। वे खुद यहां भाजपा के आलोक शर्मा के लिये रोड शो प्रचार आदि में जुटे हैं तो कांग्रेस उम्मीदवार अरूण श्रीवास्तव का कारवां भी गांवों व अन्य कस्बों में प्रचार के बाद दो दिन से भोपाल शहर में ज्यादा सक्रिय नजर आ रहा है। आज भी दोनों तरफ से रोड शो किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बीती रात शर्मा के समर्थन में नरेला विधानसभा में रोड शो किया। आचार संहिता के चलते यादव ने रात्रि 10 बजे के पहले उपस्थित जनसमुदाय से लोकसभा चुनाव में समर्थन मांगा तथा अभिवादन कर उनसे विदा ली। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ रथ पर सवार होकर प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा, महापौर मालती राय ने जनता का अभिवादन किया। यह रोड शो करीब दो किमी लंबा था। यादव ने स्थानीय ओल्ड सुभाष नगर खेल मैदान से पंजाबी बाग, गुप्ता कालोनी, नेहरू चौराहा, परिहार चौराहा होते हुए विवेकानंद चौराहे तक खुले रथ पर सवार होकर जनता का अभिवादन किया और पार्टी प्रत्याशी के लिए आशीर्वाद मांगा। रोड शो के दौरान यात्रा मार्ग की दोनों तरफ की सड़कें भगवामय रहीं।

भाजपा व कांग्रेस नेताओं के दौरे

लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता 03 मई को प्रदेश के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री मुरैना, भिण्ड, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा राजगढ़, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान गुना, राजगढ़, विदिशा, महेन्द्र सिंह धार एवं रतलाम, सतीश उपाध्याय भिण्ड एवं ग्वालियर, केन्द्रीय मंत्री कज्योतिरादित्य सिंधिया भिण्ड, ग्वालियर व अशोकनगर एवं वरिष्ठ नेता व न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया जिले के प्रवास पर रहेंगे वहीं कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी महासचिव जितेन्द्र सिंह, बैतूल में विभिन्न स्थानों पर जनसभा को संबोधित करेंगे।

पायलट राजगढ़ में- कांग्रेस महासचिव राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट आज राजगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह के लिये प्रचार में उतरे हैं। उन्होंने जीरापुर व ब्यावरा में जनसंपर्क किया और सभा की। इसके बाद वे ग्वालियर के डबरा पहुचंकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने जनसंपर्क किया और रोड शो निकाला

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क किया और रोड शो निकाला। उन्होंने मतदाताओं से वायदा किया कि पिछले लोकसभा चुनावों की तरह उनका वोट व्यर्थ नहीं जाएगा। भोपाल को सही मायने में स्मार्ट बनाया जाएगा, रोजगार का बड़ा हब बनाया जाएगा, जहां बेहतर वेतन मिले। इस दौरान पीसी शर्मा, प्रवीण सक्सेना, गुड्डू चौहान,संतोष कंसाना, संजीव श्रीवास्तव आदि साथ थे। रोड शो की शुरुआत राजीव चौक अरेरा पेट्रोल पंप से हुई। यहां से श्याम नगर कल्चुरी भवन, चार इमली, माचना कालोनी, सिद्धेश्वरी नगर, दुर्गा नगर, पांच नंबर स्टाप शिवाजी नगर से कोलार तिराहा तक और नेहरू नगर, कमला नगर आदि इलाकों से न्यू मार्केट नानके चौराहा तक जनसंपर्क किया।

भाजपा की सिरोंज में जनसभा आयोजित

भाजपा अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने सागर लोकसभा क्षेत्र के सिरोंज में जनसभा को संबोधित किया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने की सभा

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मुरैना में सभा की।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान

3500 सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीयन शुरू, तीन हेल्पलाइन सेंटर तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राजधानी स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में भी प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्थान में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) की 3500 सीटों पर प्रवेश के लिए संस्थान की वेबसाइट के माध्यम से पंजीयन कराए जा रहे हैं। विद्यार्थियों की सहूलियत के लिए तीन हेल्पलाइन सेंटर तैयार किए गए हैं। ऑनलाइन के अलावा यहां से भी विद्यार्थी आवेदन भी कर सकते हैं और पाठ्यक्रम की जानकारी भी ले सकते हैं। इस बार वोकेशनल कोर्सेस के तहत विद्यार्थियों के लिए पेड इंटर्नशिप की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत विद्यार्थियो को इंटर्नशिप के लिए कुछ राशि देने के साथ ही प्लेसमेंट भी कराए जाएंगे।

25 प्रतिशत सीटें बढ़ाई

इस साल यूजी के पांच पाठ्यक्रमों में 25 प्रतिशत सीटें बढ़ाई गई हैं। इसमें बीए, बीकाम, बीएससी, बीबीए व बीपीएस प्रोग्राम शामिल है। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सात नए पाठ्यक्रम पिछले साल शुरू किए गए हैं। इसमें बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन, बीबीए, एमए मनोविज्ञान, एमए समाजशास्त्र, एमए हिंदी को खास तौर पर शामिल किया गया है।इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी अधिक संख्या में प्रवेश लेते हैं।

मई-जून परीक्षा के नाम, 5 लाख का इम्तिहान

स्टाफ और जगह की कमी की वजह से इतनी परीक्षाएं एक साथ कराना बड़ी चुनौती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साइबर लॉ एंड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी (एमसीएलआईएस) में एडमिशन के लिए परीक्षा 12 मई को होगी। इंटरव्यू 12 से 14 मई तक होंगे।

आरजीपीवी की परीक्षाएं 18 मई से: आरजीपीवी की परीक्षाएं मई में शुरू होंगी। 8वें और 8वें सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 व पीजी की परीक्षाएं 18 मई से शुरू होंगी। इनमें आरजीपीवी से संबंद्ध कॉलेजों के 60 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे।

सीयूईटी यूजी परीक्षा 15 मई से: केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 15 से 31 मई तक तीन चरणों में होगी। एनटीए इस साल ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से परीक्षाएं लेगा। परिणाम 30 जून को आएगा।

मेट्रो एंकर

डीईओ ने की 10वीं 12वीं के रिजल्ट की समीक्षा, 128 प्राचार्य रहे मौजूद

प्राचार्यों ने कहा- स्कूलों के शिक्षकों को बनाया बीएलओ, अतिथि शिक्षक की कमी रही कारण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं-बारहवीं कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी हो चुके हैं। कम परिणाम वाले स्कूलों की राजधानी के सुभाष उत्कृष्ट उमा विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा समीक्षा की गई। राजधानी के 131 हाई व हायर सेकंडरी स्कूलों के प्राचार्यों को बुलाया गया था, जिसमें 128 प्राचार्य उपस्थित रहे। प्राचार्यों से कम रिजल्ट आने का कारण पूछने के साथ ही सुधार के निर्देश दिए गए। 90 फीसदी से अधिक रिजल्ट देने वाले प्राचार्यों की प्रशंसा की गई। दसवीं में सिर्फ एक स्कूल एक्सीलेंस का परिणाम सौ फीसदी है। प्राचार्य सुधाकर पाराशर की प्रशंसा की गई।

डीईओ अंजनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि समीक्षा बैठक में परीक्षा परिणाम के कमी के संबंध में कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी परिलक्षित हुई। कुछ स्कूलों में शिक्षक बीएलओ के रूप में अन्यत्र कार्यरत रहे। लोक शिक्षण की उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया में नवीन पदभार के कारण रिक्त हुए पदों पर अतिथि शिक्षक की व्यवस्था भी नहीं किए जाने का कारण सामने आया। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों कमी एवं अतिथि शिक्षकों की उपलब्धता न होने की बात भी सामने आई।

प्रतिवेदन आयुक्त लोक शिक्षण को भेजा जाएगा

प्राचार्यों को निर्देश दिए गए है कि जिन शिक्षकों के परीक्षा परिणाम विषयवार औसत परीक्षा परिणाम से कम है, तो ऐसे सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए अपने अभिमत के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करें। साथ ही भविष्य के लिए शैक्षणिक योजना तैयार किये जाने के निर्देश दिए गए है। प्राचार्यों से मिली रिपोर्ट का प्रतिवेदन आयुक्त लोक शिक्षण को भेजा जाएगा। इस आधार पर सभी जिलों की समीक्षा के प्रतिवेदन से राज्य स्तरीय रिपोर्ट तैयार होगी। इसके बाद दसवी-बारहवी के रिजल्ट को लेकर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

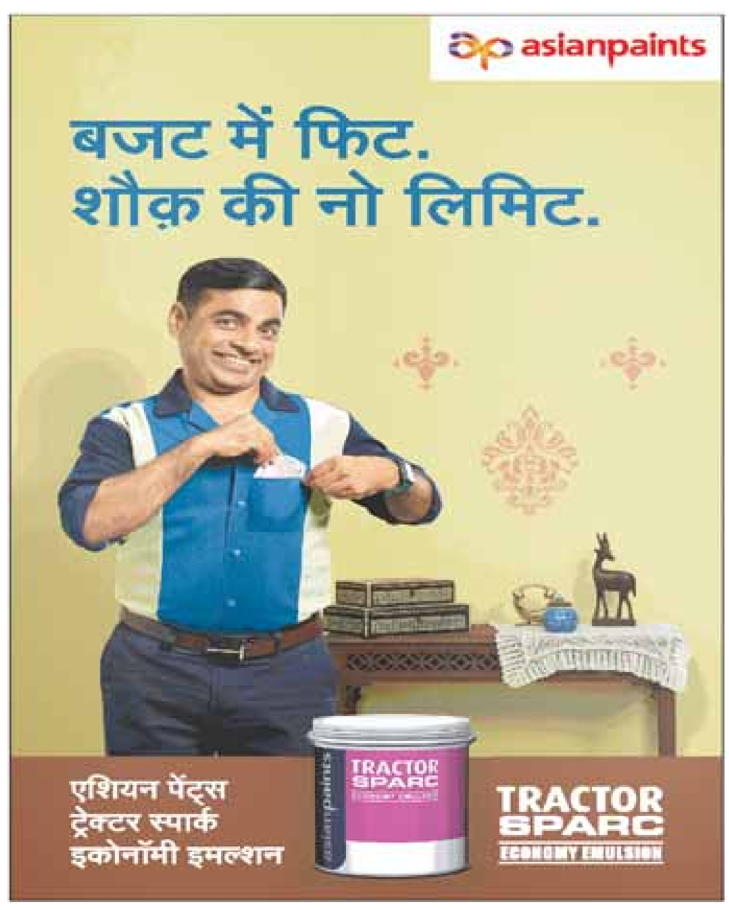

संपादकीय

ब्रांड के बंटवारे के बाद

क देश के पुराने व नामचीन उद्योग समूहों में शामिल गोदरेज ने हाल में अपना पारिवारिक बंटवारा किया है। चूंकि कई ऐसे व्यापारिक घराने हैं जिनके उत्पाद भारतीय जीवन में रचेबसे हैं और इनका जिक्र हर समय होता है। जैसे लोग स्टील की अलमारी को आज भी गोदरेज की अलमारी कहते हैं। इसलिए जब इन कारोबारी समूह में बंटवारे या विवाद की कोई खबर आती हैं तो अधिकांश लोग इसके प्रति उत्सुक हो जाते हैं। गोदरेज समूह ने अपने 127 वर्ष के इतिहास में एक मजबूत व विश्वसनीय ब्रांड विकसित किया है। यह देश के चंद सबसे प्रतिष्ठित और मूल्यवान ब्रांड में शुमार है। मगर यह भी सच है कि बीते कुछ साल में इस समूह में आंतरिक समन्वय और पारिवारिक नियंत्रण के संस्थानीकरण के क्षेत्र में लगातार संघर्ष की स्थिति बनी रही। कहा यह भी जाता है कि कोई गोदरेज समूह नहीं है, जो इसके सभी उपक्रमों को एकजुट करता हो, न ही टाटा संस की तरह यह कोई एक होल्डिंग कंपनी है। मगर गौरतलब है कि एक दशक से भी अधिक पहले पारिवारिक कारोबार बोर्ड गठित करने की योजना फलीभूत नहीं हो सकी। भारत में परिवारों के स्वामित्व वाले कारोबारों के संस्थापकों की शुरुआती सख्ती के बाद आगे की पीढ़ियों में अलग-अलग दृष्टिकोण वाले कई हितधारक आ गए। बदलता नजरिया भी इस तरह के बंटवारों की वजह है। अब गोदरेज परिवार की हिस्सेदारी में विभाजन जिसे 'स्वामित्व पुनर्संयोजन' कहा जा रहा है, वह ऐसी असहमति के प्रबंधन वाला अपेक्षाकृत कम प्रभाव डालने वाला और सौहार्दपूर्ण तरीका प्रतीत होता है।मोटे तौर पर गोदरेज समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के अंशधारक शायद संपत्ति के उस नुकसान से बच जाएं जो आमतौर पर पारिवारिक विवादों के बाद होता है। विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियां मसलन गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड एक तरफ रहेंगी और इन्हें आदि और नादिर गोदरेज के परिवार चलाएंगे जबकि उनके भाई बहन जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज कृष्णा गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह को चलाएंगे। जिनमें गोदरेज ऐंड बॉयस की गैर सूचीबद्ध फर्म का दबदबा है। हालांकि इस मामले में कई लोगों की रुचि इस बात में थी कि विक्रोली में भारी भरकम लैंड बैंक का प्रबंधन किस प्रकार होगा। इस पर गोदरेज ऐंड बॉयस का नियंत्रण है। करीब तीन हजार एकड़ की यह जमीन एक सदी से परिवार के पास है और इसमें मुंबई के निकट ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से लगी हुई काफी जमीन शामिल है। फिलहाल तो परिवार ने अपने बयान में इस जमीन के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। मगर कहा गया कि जमीन मालिक और डेवलपर गोदरेज ऐंड बॉयस तथा उसकी अनुषंगी गोदरेज कंस्ट्रक्शंस तथा डेवलपमेंट मैनेजर और मार्केटर गोदरेज प्रॉपर्टीज मिलकर इस जमीन पर काम करना जारी रखेंगे। सारी जमीन विकास कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं है लेकिन मुंबई की एक हजार एकड़ जमीन पारिवारिक विवाद पैदा करने के लिए पर्याप्त है। अभी तो लग रहा है कि गोदरेज परिवार इससे बचने में कामयाब है। बहरहाल इस जमीन का विकास किस प्रकार होगा और क्या आदि गोदरेज का पक्ष इस पर नियंत्रण खो चुका है, यह आगे पता चलेगा। जमीन के विकास में कोई भी मूल्यवर्द्धन आंशिक रूप से गोदरेज के ब्रांड नाम के साथ भी जुड़ा होगा। ऐसे में बडा सवाल होगा कि दोनों अलग समूह जो परिवार के गोदरेज ब्रांड और लोगो को साझा करते रहेंगे, वे इस एक सदी से भी अधिक पुराने ब्रांड की छवि को कैसे बरकरार रख पाएंगे। साफ तौर पर तो लग रहा है कि संस्थागत ढांचे के अभाव में यह पूरा कारोबार आपसी समझ व सदभावना पर ही टिका रहेगा।

चुनाव, मजदूर और चिलचिलाती गर्मी...

असंगठित क्षेत्र सबसे अधिक असुरक्षित, मजबूत नियामक ढांचा समय की मांग

■ पत्रलेखा चटर्जी

भीषण गर्मी से झुलसते हुए जोधपुर में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने नगर निगम के सहयोग से अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक कूलिंग स्टेशन बनाया है। इस कूलिंग स्टेशन का उद्देश्य चिलचिलाती गर्मी में शहरी गरीबों को आश्रय देना है। यह जोधपुर के हीट ऐक्शन प्लान का हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें ठंडक बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को अपनाया गया है, जैसे खस से बने पैनल, सोलर पैनल से चलने वाले बल्ब और पंखे तथा फुहार के लिए स्प्रिंकलर। यहां पीने का पानी, प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) किट भी उपलब्ध है।ऐसे समय में जब बड़े शहरों में रहने वाले लोगों सहित ज्यादातर भारतीय परिवारों के पास हर कमरे में एयर कंडीशनर (एसी) नहीं है, जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। अक्सर पर्याप्त सुरक्षा के बिना काम करते रहने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता, भले ही स्थितियां कितनी ही खतरनाक हों।

भीषण गर्मी शायद सबसे स्पष्ट चुनौती है और इस बारे में मियाकावा ने कहा कि बढ़ते तापमान में जैसे कृषि, निर्माण, मछली पकड़ने और परिवहन जैसे बाहरी काम करने वाले श्रमिकों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और लू का खतरा रहता है। यहां तक कि घर के अंदर काम करने वाले उन श्रमिकों को भी खतरा रहता है, जहां भीषण गर्मी हो और वेंटिलेशन की व्यवस्था न हो। फैक्टरियों, खाद्य प्रसंस्करण संयंत्रों, ईंट भट्ठों और गोदामों में तेज धूप के दौरान काम करना श्रमिकों के लिए काफी खतरनाक हो सकता है।

बेहतर नियमन, प्रवर्तन, शमन रणनीतियों, प्रशिक्षण और जागरूकता से स्थितियों में काफी बदलाव लाया जा सकता है। स्पष्ट है कि इसके लिए श्रमिकों का सशक्तीकरण जरूरी है, जो उन्हें नौकरी या मजदूरी खोने के डर के बिना प्रचंड गर्मी में काम रोकने की अनुमति प्रदान करे। लेकिन भारत जैसे देश में ऐसा कहना आसान है, करना कठिन, जहां ज्यादातर लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिन्हें न तो रोजगार अनुबंध और न ही स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध है। मियाकावा लिखते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण वायु प्रदूषण बढ़ने से श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बीजिंग, नई दिल्ली और बैंकॉक में खराब वायु गुणवत्ता दैनिक वास्तविकता है, जो प्रदूषकों के संपर्क में आने वाले श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। आदर्श रूप में इन मूल कारणों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। डिलीवरी बॉय या सड़क के किनारे ठेला लगाने वाले को पूरे दिन जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है। इसलिए जागरूकता, रक्षा उपकरण और जहां तक संभव हो सके, काम करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता है, जो इसके प्रभाव को न्यूनतम कर सके।

प्रचंड गर्मी और वायु प्रदूषण के अलावा, चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति एवं तीव्रता में भी बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त चुनौती पेश करती है। चक्रवात, बाढ़, सूखा, दावानल, प्राकृतिक आपदाएं कामकाज में व्यवधान पैदा करती हैं और श्रमिकों के जीवन को जोखिम में डालती हैं। मियाकावा लिखते हैं कि आपदाओं के बाद पहले की स्थिति की बहाली के प्रयासों में श्रमिकों की सुरक्षा एवं कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा आवश्यक सेवाओं, सुरक्षात्मक उपकरणों और मनोसामाजिक समर्थन तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। भारत विशेष रूप से संवेदनशील है। पिछले वर्ष फोर्ब्स मैगजीन ने लिखा था, निर्माण गतिविधियों के साथ भारतीय कृषि और उद्योग विशेष रूप से गर्मी से संबंधित तनावों के कारण श्रमिकों की उत्पादकता के नुकसान के प्रति संवेदनशील हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी के तनाव के कारण उत्पादकता के नुकसान के चलते अनुमानित 8 करोड़ वैश्विक नौकरियों में से 3.4 करोड़ रोजगार की हानि भारत में हो सकती है। फोर्ब्स मैगजीन में बताया गया कि रिजर्व बैंक के आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (डीईपीआर) ने मुद्रा एवं वित्त 2022-23 संबंधी अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया कि भारत में बढ़ते तापमान और मानसूनी वर्षा के बदलते पैटर्न के कारण जलवायु परिवर्तन से अर्थव्यवस्था को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.8 प्रतिशत का नुकसान हो सकता है और 2050 तक भारत की लगभग आधी आबादी के जीवन स्तर में गिरावट आ सकती है। पर्याप्त शमन नीतियों के अभाव में जलवायु परिवर्तन से भारत को 2100 तक सालाना जीडीपी का लगभग 3 से 10 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है।

प्रचंड गर्मी से सभी समान रूप से प्रभावित नहीं होते हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले, प्रवासी मजदूर और हाशिये पर रहने वाले लोग सबसे ज्यादा असुरक्षित होते हैं। महिलाएं भी व्यापक रूप से प्रभावित होती हैं। इसी वजह से हाइपर-लोकल ऐक्शन प्लान बनाना महत्वपूर्ण है, जो जोधपुर जैसे क्षेत्रों में कमजोर लोगों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह बेहद अफसोसनाक है कि लाखों भारतीयों के जीवन और आजीविका को प्रभावित करने वाले यह मुद्दा भारत की चुनावी चर्चा से बाहर है। लेकिन मतदान करते वक्त भारत के लोगों को उन उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए, जो इन मुद्दों के प्रति संवेदनशील हैं और जिन्होंने इसमें दिलचस्पी दिखाई है। जीडीपी में वृद्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारे राष्ट्रीय विमर्श को मजबूत नियामक ढांचे पर भी ध्यान देना चाहिए, जो सुरक्षा मानकों को लागू करने और श्रमिकों को जलवायु संबंधी खतरों से बचाने के लिए जरूरी हैं।

- साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

> जब आप फ़िक्र में होते है तो आप जलते है, जब आप बेफिक्र होते है तो दुनिया जलती है। **- अज्ञात**

आज का इतिहास

- 1808 फिनिश युद्धः स्वीबेर्ग का किला स्वीडन से रूस तक खो गया।
- 1815 तोलेंटीनो की लड़ाई में ऑस्ट्रिया ने नेपल्स राजा जोआचिम को हराया।
- 1837 यूनान में एथेंस विवि की स्थापना की गई।
- 1845 चीन के कैंटन में थियेटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत हुई।
- 1855 अमेरिकी साहसी विलियम वॉकर और सैन फ्रांसिस्को से भाड़े का एक समूह निकारागुआ को जीतने के लिए।
- 1887 एक भूकंप के झटके से सोनोरा और मैक्सिको हिल गया।
- 1913 पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज़ हुई।
- 1915 सबसे पुराना लगातार चालू रॉयल एयर फोर्स स्टेशन, आरएएफ नॉर्थोल्ट, नंबर 4 रिजर्व एयरप्लेन स्क्वाड्रन के लिए घर के रूप में खोला गया।
- 1915 कनाडाई चिकित्सक और लेफ्टिनेंट कर्नल जॉन मैक्रे ने इनफ्लैंडर्स फील्ड्स लिखा, जिसे बाद में प्रथम विश्व युद्ध में सबसे उल्लेखनीय कविताओं में से एक माना गया।
- 1920 11 वीं सोवियत रेड आर्मी पर भरोसा करते हुए पड़ोसी देशों में काम कर रहे बोल्शेविकों ने जॉर्जिया में तख्तापलट की कोशिश की।
- 1921 आयरलैंड द्वीप को दो अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया गया था उत्तरी व दक्षिणी आयरलैंड
- 1926 ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस ने घोषणा की कि एक सामान्य हड़ताल 3 मई, 1926 को शुरू होनी थी। यह हड़ताल ब्रिटिश सरकार को मजदूरी में कमी और 8,00,000 लॉक-आउट कोयला खनिकों के लिए बिगड़ती परिस्थितियों को रोकने के लिए 9 दिन चली थी।
- 1929 ब्लड एले की लड़ाई ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक रेजर ग्रुप द्वारा लड़ी गई थी।
- 1942 द्वितीय विश्व युद्ध-जापानी बलों ने सोलोमन द्वीप समूह में तुलागी और आसपास के द्वीपों पर आक्रमण करना शुरू कर दिया, जिससे वे संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच आपूर्ति और संचार मार्गों को खतरे में डाल सकते हैं।
- 1945 द्वितीय विश्व युद्ध-जर्मन महासागर लाइनर कैप अरकोना, बोर्ड पर हजारों कैदियों से सनातनी शिविरों के साथ लुबेक की खाड़ी में तैरने के लिए छोड़ दिया गया था, आरएएफटी यफून द्वारा हमला किया गया था और डूब गया था।
- 1951 रॉयल फेस्टिवल हॉल, ग्रेड ढ्ढ को पहले युद्ध के बाद की इमारत, ब्रिटेन के महोत्सव के लिए स्थल के रूप में खोला गया।

निशाना

अटकलें हैं तेज़ !

- कृष्णेन्द्र राय

छोड़ देंगे पार्टी ।
हो गए नाराज़ ।।
अटकलें हैं तेज़ ।
ना रहा कुछ राज ।।
सपरिवार जाना है ।
लिया उन्होंने ठान ।।
हो चुके मज़बूत ।
ना भटकाना ध्यान ।।
लगे भले ही वक्त ।
ख़बर आने वाली ।।
घटनाक्रम दिलचस्प ।
आ सकती हरियाली ।।
हो चुका है मोहभंग ।
दौर अलग है आया ।।
लग रहा है इधर से ।
है पूरा सफाया ।।

अलउला: मिट्टी की ईंटों से बनीं बेजोड़ इमारतें

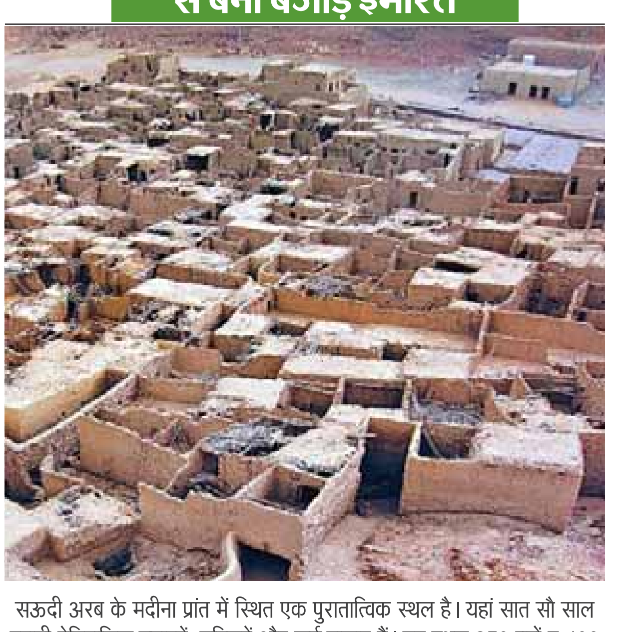

सऊदी अरब के मदीना प्रांत में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यहां सात सौ साल पुरानी ऐतिहासिक इमारतें, मस्जिदें और कई बाजार हैं। यह स्थल 870 घरों व 400 दुकानों के एक-साथ होने से एकल इमारत जैसा दिखता है। संकीर्ण और घुमावदार गलियां इन घरों को अलग करती हैं। यह मिट्टी की ईंटों और पत्थर से बनी हुई वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। यहां कीमती कलाकृतियों का एक अनूठा संग्रह है, जिसमें पूर्ण रूप से संरक्षित प्राचीन पत्थर के शिलालेख शामिल हैं, जो अरबी भाषा के विकास को दर्शाते हैं।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागत योग्य फैसला

■ ललित गर्ग

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी 'गाने और डांस', 'शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जु? मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि .वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रूव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक संम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है। हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ, यानी धर्म, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य 'काम' के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे 'मोक्ष' की ओर बढ़ना है। एक पुरुष और महिला के जीवन में कई महत्वपूर्ण चीजें शादी से जुड़ी होती हैं; उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला के बीच प्यार, उनका रिश्ता, संतान, उनके माता-पिता, उनके जीवन में विभिन्न सुखद घटनाएं, सामाजिक स्थिति और समृद्धि। हिंदू समाज में एक विवाहित महिला को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उसके माथे पर कुमकुम-सिन्दूर के साथ एक महिला की दृष्टि, उसके गले में एक मंगलसूत्र पहने हुए, हरी चूड़ियां, पैर के अंगूठे के छल्ले और छह या नौ-यार्ड साढ़ी स्वचालित रूप से एक पर्यवेक्षक के मन में उसके लिए सम्मान उत्पन्न करता है। हिंदू विवाह के सात वचनों में से, कम से कम तीन ऐसे हैं, जहां जोडे अपने बुजुर्गों की देखभाल करने का वादा करते हैं। पांचवां वचन अपनी संतान पैदा करने और उसकी देखभाल करने का है। हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है।

- साभार

मजदूर दिवस पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

उच्च न्यायालय के निर्देशन में 1मई 2024 को मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में जिले में 01 से 04 मई तक विधिक साक्षरता का आयोजन विधिक सेवा प्राधिकरण एवं श्रम विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज दिनांक 02 मई को औद्योगिक क्षेत्र खेद इटारसी में राठी वेयर हाउस परिसर में क्षेत्र के मज़दूरों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमे मज़दूरों को मज़दूरी से सबमधित समस्त अधिनियमो से अवगत कराया गया। मध्य प्रदेश शाशन द्वारा निर्धारित न्यूनतम भुगतान, समान काम केलिए समान वेतन एवं मज़दूरि नही मिलने पर करने वाला प्रक्रिया आदि से अवगत कराया।

जिसमें विधिक विभाग द्वारा मजदूर पर होने वाले अत्याचार एवं शोषण के विरुद्ध कर्मचारियों को उनके अधिकार से अवगत कराया साथ ही स्वास्थ्य के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण का कार्य भी किया गया जिसमें बीपी, शुगर, टीवी, मलेरिया एवं कुष्ठ की जांच की गई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी दिलाया गया विधिक विभाग से विधिक जिला न्यायाधीश सचिव विधिक प्राधिकरण शशि सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य, श्रम अधिकारी वर्षा इरपाचे, श्रम निरीक्षक ज्योति अय्यर, सरिता साहू, स्वास्थ्य विभाग से डॉ शशांक प्रताप सिंह चौहान, मेडिकल ऑफिसर डॉ अनिल बुनकर, दंत चिकित्सक डॉ नितेश दीवान आदि उपस्थित रहे।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में गिद्ध गणना में 287 गिद्ध मिले

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम जिले में गिद्ध गणना का कार्य संपन्न

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा 29, 30 अप्रैल एवं 1 मई 2024 को तीन दिवसीय गिद्ध गणना का आयोजन किया गया। क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि विभाग के 300 से अधिक अधिकारियो/ कर्मचारियों द्वारा 186 बीटो में सक्रिय रूप से गिद्ध गणना कार्य में अपना सहयोग दिया गया। इस अवधि में पूर्व से चिन्हित गिद्ध आवास स्थलों एवं घोसलों पर विभाग के अमले द्वारा गिद्धो की प्रजाति वार गणना की गई। इसके अंतर्गत देशी गिद्ध, सफेद गिद्ध, चमर गिद्ध और राज गिद्ध जैसी प्रजातियां पाई गई हैं। गिद्धों के संरक्षण के परिणाम स्वरूप गिद्धों की संख्या में निरन्तर वृद्धि पाई गई है। गिद्ध गणना वर्ष 2023-24 के दौरान हुई गणना में 287 गिद्ध पाए गए हैं। एसटीआर के संरक्षित क्षेत्र में गिद्धों के अलावा बाघ, तेंदुआ, एवं अन्य वन्य प्राणियों का संरक्षण भी किया जा रहा है।

शासकीय तालाब से मिट्टी खोद रही पोकलेन मशीन और डंपर हुए गायब

लोनिवि द्वारा बनाई जा रही सड़क का कोई जवाब नहीं है विभाग के पास

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

दोपहर मेट्रो **खबर का असर**

सिवनी मालवा क्षेत्र में लंबे समय से हो रहे अवैध उत्खनन को लेकर लगातार अखबारों में खबर प्रकाशित करने के बाद स्थानीय प्रशासन तो अपनी कुंभकरण नींद में सो रहा है। वहीं जिला प्रशासन का इस और कोई ध्यान नहीं देने के कारण उत्खनन कार्यों के हौसले बुलंद है। ग्राम पंचायत महुआ ढाना के अंतर्गत आने वाले ढंडीवाडा में शासकीय तालाब से मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। जब इस बात को लेकर ग्राम पंचायत सचिव ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई तो उन्होंने इस कार्य को रोक दिया लेकिन ग्राम पंचायत सचिव की ड्यूटी भी चुनाव में लग गई फिर यह उत्खनन कार्य फिर से चालू हो गया। कल प्रमुखता से छपी दोपहर मेट्रो की खबर के बद पोकलेन मशीन और डंपर वहां से नदारत हो गए सुबह 10 बजे के आस पास पोकलेन मशीन को सिवनी मालवा की ओर लाया गया।आप को बता दें की इन दिनों मिट्टी का अवैध उत्खनन जमकर किया जा रहा है इन अवैध खनन कारियो को मोरन नदी के किनारे सहित कई गांव में पोकलेन मशीन उतार कर खुलेआम शासन प्रशासन और प्रदेश सरकार को मुंह चीडाते हुए जमकर अवैध खनन किया जा रहा है। खनिज विभाग दूर से तमाशा देख कर तमाश बिन बना हुआ है। इस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को इस और ध्यान देने की अती आवश्यकता है।

लोक निर्माण विभाग के पास नहीं है कोई जानकारी

जहां सिवनी मालवा में तत्कालीन विधायक स्वर्गीय हजारीलाल रघुवंशी, स्वर्गीय सरताज सिंह प्रदेश सरकार में दोनों ही विधायकों को कांग्रेस की सरकार में दादा हजारीलाल रघुवंशी को लोक निर्माण विभाग मंत्री बनाया गया था वहीं भाजपा की सरकार में सरताज सिंह को लोक निर्माण मंत्री बनाया गया था सिवनी मालवा इन दोनों दिग्गज नताओं को लोक निर्माण विभाग के पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। लेकिन अब वही सिवनी मालवा लोक निर्माण विभाग में यह दशा हो गई है कि वहां के कोई भी कर्मचारी और अधिकारी पत्रकारों का फोन उठाना उचित नहीं समझते हैं और नाही किसी प्रकार कोई जानकारी दी जाती हैं। लगभग 30 से 35 वर्षों से लोक निर्माण विभाग में सब इंजीनियर के पद अपना अंगद की तरह पैर जमा कर बैठे आर,के, रघुवंशी अभी वो कई वर्षों से प्रभारी एसडीओ पद पर भी काबिज है। स्थानीय होने के कारण जिन्हें कई बार फोन लगाने के बाद में भी फोन नहीं उठाते हैं जो लोकल होने का सबसे बड़ा फायदा उठा रहे हैं और चांदी पीट रहे हैं। इस और जिला कलेक्टर और कमिश्नर सहित प्रदेश सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है।

मूल्यांकन करने वाले इंजीनियर क्यों नहीं दे रहे हैं ध्यान ?

शहरी और ग्रामीण स्तर पर कराए जाने वाले कार्यों में इंजीनियर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ले आउट देने से लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का मूल्यांकन भी इंजीनियर द्वारा किया जाता है तब वे मुरम की जगह मिट्टी का प्रयोग करने वाले ठेकेदारों पर क्यों ध्यान नहीं दे रहे हैं यह एक विचारणीय प्रश्न है? यह तो ऐसे मामले हैं जो किसी तरह मीडिया के संज्ञान में आ गए और ना जाने कितने मामले होंगे जहां चुपचाप अवैध उत्खनन का सिलसिला जा रही है। खनन विभाग का कोई भी कार्यालय या अधिकारी सिवनी मालवा क्षेत्र में नहीं है तहसील स्तरीय प्रशासन को अंतिम कार्यवाही करने का अधिकार नहीं है । राजनीति सुषुप्त अवस्था में ऐसी स्थिति में खनन माफिया बेजा फल-फूल रहा है। जब इस पूरे मामले की जानकारी खनिज विभाग नर्मदा पुरम कार्यालय समय में इस बात की जानकारी लेने के लिए खनिज विभाग के अधिकारियों को कई बार सिवनी मालवा के पत्रकारों ने फोन लगाया लेकिन उन्होंने एक बार भी जवाब नहीं दिया क्या खनिज विभाग की अवैध उत्खन में लापरवाही समझे या फिर उनकी मोन स्वीकृति मनकर जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दे। ये क्षेत्र की जनता के जेहन में यक्ष प्रश्न बना हुआ है ।

20 मई तक होगा उपार्जन का कार्य, लगातार मॉनिटरिंग करें : कलेक्टर

एसडीएम व तहसीलदार सप्ताह में 2 दिन अपने कोर्ट के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना ने गुरुवार को गेहूं उपार्जन एवं अन्य लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने बताया कि गेहूं उपार्जन की समय सीमा 7 मई की जगह अब 20 मई तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिया कि सभी एसडीएम 20 मई तक उपार्जन केंद्रों की सतत मॉनिटरिंग करें, यह देखें कि उपार्जन केंद्रों में कहीं भी व्यवस्था ना हो। केंद्रों में किसानों की लंबी लाइन ना हो, साथ ही किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक हो। उन्होंने निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन की ब्लॉक लेवल समिति भी विशेष तौर पर सक्रिय रहे। सभी एसडीएम प्रतिदिन खरीदी केंद्रों एवं वेयर हाउस का निरीक्षण अवश्य करें। कलेक्टर ने कहा कि कई वेयरहाउस ऐसे हैं जहां पर गेहूं की आवक तो हो रही है लेकिन उसकी एंट्री दर्ज नहीं है। ऐसे वेयरहाउस की मॉनिटरिंग विशेष रूप से की जाए।

कलेक्टर ने कहा कि अगले 20 दिनों में 1 लाख मीट्रिक टन तक की गेहूं खरीदी की संभावना है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए की यह सुनिश्चित करें कि व्यापारी किसानों का गेहूं कम कीमत पर नहीं खरीद पाए। मंडी के अंदर और मंडी के बाहर भी विशेष रूप से इसकी मॉनिटरिंग की जाए। डीआरसीएस ने बताया कि अब तक 211 करोड़ के एपीओ प्राप्त हुए हैं, जिनमें 203 करोड़ के एपीओ स्वीकृत हो चुके हैं। किसानों को 173 करोड़ रुपए का भुगतान सफलतापूर्वक कर दिया गया है। अब तक 13 हजार 244 किसानों से 1.47 लाख मीट्रिक टन की गेहूं खरीदी की जा चुकी है।

कलेक्टर ने कहा कि गेहूं परिवहन की स्थिति बहुत अच्छी चल रही है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा की वे प्रतिदिन परिवहन की स्थिति की भी मॉनिटरिंग करें और साथ ही देखें कि उपार्जन के हिसाब से परिवहन हो रहा है कि नहीं है। उन्होंने गेहूं अपग्रेडेशन के बारे में भी निर्देश दिए और कहां के गेहूं अपग्रेडेशन की स्थिति की भी लगातार समीक्षा की जाए।

बताया गया कि किसानों को लगातार भुगतान किया जा रहा है कुछ किसानों के आईएफएससी कोड गलत होने के चलत भुगतान रुके हुए हैं। सिवनी मालवा में ऐसे 150 किसान है जिनका आईएफएससी कोड गलत होने के चलते भुगतान रुका हुआ है।

कलेक्टर ने एसडीएम एवं तहसीलदार कोर्ट में लंबित प्रकरणों की बढ़ती संख्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि वह सप्ताह में 2 दिन अनिवार्य रूप से कोर्ट लगाए और लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। रेगुलर केस की पेशी करें और सुनवाई करें। कलेक्टर ने सिवनीमालवा, नर्मदापुरम एवं इटारसी कोर्ट में सबसे ज्यादा लंबित प्रकरणों की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की और कहां की कोई अधिकारी अवकाश में जा रहा है तो उसका लिंक अधिकारी अनिवार्य रूप से बनाया जाए जो उनकी अनुपस्थिति में काम करें।

कलेक्टर ने कहा की कोई भी ऐसा प्रकरण है जो 6 से 7 माह से पुराने हैं लंबित है, उनका निराकरण नहीं हो रहा है तो उनमें संबंधित अधिकारियों पर जिम्मेदारी फिक्स की जाएगी और उन्हें नोटिस भी दिया जाएगा। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को दंडिक प्रकरणों पर भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहां की एसडीओपी एवं टीआई के साथ बैठक कर डांडिक प्रकरणों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावी कार्रवाई से कानून एवं व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में बनी रहती है। उन्होंने दोषी व्यक्तियों पर आर्थिक दंड एवं नियम अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पिपरिया एवं बनखेड़ी के लोगों के जिला मुख्यालय तक आकर शिकायत करने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता की शिकायत को प्राथमिकता से सुने और उसका निराकरण यथा संभव वहीं पर कर दें ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से जिला मुख्यालय आकर परेशान ना होना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम एवं तहसीलदार अपने कार्यालय में बैठने का समय निर्धारित करें और इस बात का व्यापक प्रचार प्रसार भी करें।

उन्होंने पटवारियों के भी दो दिन ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर बैठने के दिन फिक्स करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गांवों के नक्शो के प्रकाशन पर तहसील कार्यालय द्वारा की जा रही धीमी कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की पटवारियों की टीम बनाकर एवं शिफ्ट में काम करा कर नक्शो का प्रकाशन प्राथमिकता से कराया जाए।

भगवान परशुराम जयंती के लिए घर-घर दिया जा रहा आमंत्रण

सिवनी मालवा। भगवान परशुराम के जन्म उत्सव कार्यक्रम के लिए ब्राह्मण समाज के सदस्यों के द्वारा घर घर जाकर आमंत्रण पत्र दिए जा रहे हैं। परशुराम जी की जन्मोत्सव के कार्यक्रम में 8 और 9 मई को स्थानीय सीताराम मंदिर कल्लू चौक पर महिला मंडल के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, तथा 10 मई को शोभायात्रा संकट मोचन हनुमान मंदिर सिवनी मालवा से प्रारंभ होकर राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर पर समाप्त होगी समाज के अध्यक्ष विकास पाठक ने सभी से निवेदन किया है अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों को उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाए। इस अवसर पर प्रदुम तिवारी ऋषभ पालीवाल प्रियांशु रितिक शर्मा अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

जिले के पटवारी अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहें

ग्रामवासियों की राजस्व कार्यों से संबंधित समस्याओं का निराकरण करें: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बैठक में राजस्व अधिकारियों को विभिन्न निर्देश देते हुए उन्हें आदेशित किया कि वे यह सुनिश्चित करे कि पटवारी गण सप्ताह में दो दिवस सोमवार एवं गुरुवार को अपनी-अपनी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे और ग्रामवासियों/कृषकों के राजस्व कार्यों से संबंधित समस्याओं का समय सीमा में निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर सुश्री मीना ने ग्रामवासियो से आग्रह किया है कि वे प्रति सप्ताह निर्धारित उक्त दिवसों में अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जाकर पटवारी से संपर्क कर अपने राजस्व कार्यो से संबंधित समस्याओं का निराकरण कराए। उक्त कार्य में लापरवाही करने वाले राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों के विरूद्ध ग्रामवासियों से शिकायत मिलने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मेट्रो एंकर

नर्मदा कॉलेज में ई प्रवेश प्रक्रिया के लिए संगोष्ठी सम्पन्न

हेल्प डेस्क, ऑनलाइन सत्यापन और त्रुटि सुधार के लिए समितियों का किया गया गठन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदा कॉलेज में उच्च शिक्षा विभाग के अकादमिक सत्र 2024 -25 की ऑनलाइन ई प्रवेश प्रक्रिया की तैयारी शुरू कर दी है ।यू जी के पंजीयन और सत्यापन प्रारंभ हो गए हैं पी जी में कल 03 मई से प्रारंभ होंगे। महाविद्यालय में इस संदर्भ में स्टाफ मीटिंग आयोजित की गई । साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा गूगल मीट आयोजित कर प्रशिक्षण भी दिया गया। जिसमें विद्यार्थियों के ऑनलाइन सत्यापन में ए बी सी आईडी और मूल निवास प्रमाण पत्र को अनिवार्य रूप से अपलोड करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जिससे छात्रों को जिलेवार कॉलेज आवंटित करने में प्राथमिकता मिलेगी। साथ ही कॉलेज चलो अभियान समिति को निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से स्कूलों के प्राचार्यो से समन्वय स्थापित करके प्रवेश संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को दी जाए जिससे पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके । क्योंकि नर्मदा कॉलेज हेल्प सेंटर है इसलिए स्टाफ संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे द्वारा प्रवेश प्रक्रिया, त्रुटि सुधार ,शुल्क भुगतान, विषय चयन के साथ विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु किन-किन बातों का ध्यान रखना है पर चर्चा की गई। आई टी प्रभारी डॉ कमल वाधवा ने जानकारी दी कि विद्यार्थियों की सहूलियत के लिए हेल्प डेस्क ,ऑनलाइन सत्यापन और त्रुटि सुधार समितियां का गठन कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश प्रभारी डॉ मीना कीर ने, प्रवेश नियमों के अतिरिक्त मेधावी,संबल, गांव की बेटी सहित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी भी दी, जिससे विद्यार्थी उचित योजनाओं का लाभ ले सकें ।संगोष्ठी में डॉ अमिता जोशी, डॉ बी एस आर्य,डॉ के जी मिश्र, डॉ संजय चौधरी, डॉ कमल चौबे , डॉ हंसा व्यास, डॉ सविता गुप्ता,डॉ केशव मिश्रा, डॉ दिनेश श्रीवास्तव, डॉ संध्या गौर, डॉ अंजना यादव सहित समस्त स्टाफ और अतिथि विद्वान उपस्थित रहे।

थर्ड जेंडर मतदाताओं को मतदान के लिए किया अभिप्रेरित, दिलाई शपथ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले में शत-प्रतिशत मतदान हो इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा हर स्तर पर प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। 10 डेज मेगा इवेंट के अंतर्गत व्यापक स्तर पर स्वीप कार्यक्रमों का आयोजन कर जिले भर में मतदाता जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है। इसी के तहत विदिशा नगरीय क्षेत्र के थर्ड जेंडर मतदाताओं को भी मतदान के लिए अभिप्रेरित किया गया है। मतदाता जागरूकता हेतु नगर पालिका परिषद, विदिशा द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विदिशा नगरीय क्षेत्र के थर्ड जेंडर मतदाताओं को मतदान की शपथ का वाचन कराया गया। जिसे थर्ड जेंडर मतदाताओं के द्वारा दोहराते हुए लोकसभा निर्वाचन में आगामी 7 मई को नियत मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य करेंगे का संकल्प लिया गया है। साथ ही उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से भी मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागी बनने की अपील की है।

तोषमंणी पंथी ने फिर थामा भाजपा का दमन

सिरोंज। भारतीय जनता पार्टी छोड़कर बहुजन से विधानसभा चुनाव लड़ने वाले तथा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा का फॉर्म भरने वाले तोषमंणी पंथी ने भी भाजपा की सदस्य ग्रहण की इन सभी को विधायक उमाकांत शर्मा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

एक दिवसीय कार्यशाला

मतदाता जागरूकता के लिए निबंध लेखन व रंगोली प्रतियोगिता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय विदिशा में राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग विदिशा द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में आनंद विभाग के संजय श्रीवास्तव, श्रीमती अंजना श्रीवास्तव एवं श्रीमती वरना श्रीवास्तव ने संबोधित किया तथा आंतरिक स्वास्थ्य एवं आनंद के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने प्रश्नोत्तरी शैली द्वारा जीवन में आनंद की स्थिति को स्पष्ट किया। प्रतिभागियों से कई सवाल किए, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. श्रीमती नीता पांडे ने सभा में उपस्थित प्रतिभागियों को अपना जीवन के उतार-चढ़ाव एवं हरेक परिस्थिति में आनंद बरकरार रखने की सलाह दी।कार्यक्रम का संचालन डॉ राजुल अल्बर्ट ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। इसी दौरान महाविद्यालय में मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए श्लोकतंत्र में मतदान का महत्त वश विषय पर निबंध लिखे तथा मतदान से संबंधित रंगोली बनाई।

' घमंडिया गठबंधन के आधे नेता जेल में है तो आधे बेल पर हैं '

चुनाव देश की विकास की दशा तय करने वाला है: जेपी नड्डा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को नवीन बस स्टैंड पर सागर लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार लता वानखेड़े के समर्थन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सभा को संबोधित करते हुए इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि एक तरफ भ्रष्टाचारी और घमंडियों का जमावड़ा है जिनके कई नेता जेल में है तो कई नेता बेल पर है परिवार बाद और भ्रष्टाचार राजनीति करने वालों है, दूसरी और विकास देश को परिवार मानकर सेवा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने 10 सालों में देश की दिशा और दशा बदलने का काम किया है। कांग्रेसी और घमंडिया गठबंधन के नेता आरक्षण को लेकर बात कर रहे हैं। कभी दलित पिछड़ा एवं देश का भला नहीं कर पाए भारतीय जनता पार्टी और मोदी गारंटी है देश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मैं विश्वास दिलाता हूं हम कभी आरक्षण को खत्म नहीं करेगी गरीबों को उनका हक मिलता रहेगा आने वाले दो-तीन साल में देश की इकोनॉमी को तीसरे नंबर पर लाने का काम मोदी के दिखाएंगे इसीलिए तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। यहां से लता वानखेड़े को संसद बनाकर भेजिए मैं विश्वास दिलाता हूं विकास में कोई कमी नहीं रहेगी महिलाओं और क्षेत्र के लोगों की आवाज को लता दीदी बुलंद करेगी 3 करोड़ माता बहनों को लखपति बनाने का काम किया जाएगा 70 साल से अधिक उम्र के किसी भी वर्ग के बुजुर्गों को 5 लाख तक का इलाज आयुष्मान के योजना के तहत मुफ्त में इलाज मिलेगा।

उन्होंने अपनी बात यहां पर आने वालों सभी साथियों को मेरा राम-राम नमस्कार इस वीरों की धरती पर बुंदेलखंड में आया हूं और आज आनंद है तू आनंदित इसलिए हूं जो आज में उत्साह देख रहा हूं उमंग देख रहा हूं जो ऊर्जा देख रहा हूं मेरे देर से आने के बाद भी आप लोग डटे हुए आप सब में सागर से लता जी को सांसद बनने के लिए संकल्पित है ऐसा प्रतीत हो रहा है। भारत में कैसे चुनाव होता है उसकी कैसी प्रक्रिया होती है, हमारे नेताओं कैसे बात करते हैं जनता के बीच जाते हैं मिलते हैं इन सारी चीजों को जानने के लिए भारतीय जनता पार्टी के निमंत्रण पर दुनिया के 10 देश से 18 राजनीतिक दल नेता इस कार्यक्रम को देखने के लिए यहां सागर में आए हैं मैं इन सब अभिनंदन करता हूं स्वागत करता हूं । वियतनाम मॉरीशस , नेपाल इजरायल ,श्रीलंका, ,युगांडा से भारतीय जनता पार्टी के काम को देखने आया है किस तरह से भाजपा के कार्यकर्ता और हम काम करते हैं आज यह सब सागर से मेहमान है।

20 साल पहले मप्र जब बीमारू हुआ करता था

बीमारू में मां मध्य प्रदेश के लिए था रा राजस्थान उत्तर प्रदेश के लिए होता था लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई विकसित राज्य कि श्रेणी में आता है। जितना टैक्स मिलता है उसे 4 गुना देने का काम मध्य प्रदेश को नरेंद्र मोदी करते हैं मोदी के मन में एमपी एमपी के मन में मोदी है है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में 25 करोड़ की जनता आज गरीबों की रेखा से ऊपर उठ गई है। पहले भारत विश्व में 11वीं स्थान पर था आज वही भारत मोदी जी के नेतृत्व में 5 स्थान पर है। आज भारत दुनिया को सबसे सस्ती और असरदार दवा भेज रहा है और मैं आपको बार-बार बताता हूं यहां भी बोलना चाहूंगा । 10 साल पहले मोबाइल पर लिखा होता था मेड इन चीन आज इस मोबाइल पर लिखा होता है मेड इन इंडिया भारत आज गांव की तस्वीरें बदली है गरीब मजदूर पीड़ित की जरूरतमंद युवा किसान महिला शक्तिकरण के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चहुंओर विकास किया। आज पूरे बॉर्डर पर रोड बन रहे हैं आज सेना सशक्त हो रही है आज हमारी सेना सबसे ताकतवर सेना के है।

केसरिया पगड़ी में विदेशी डेलीगेट रहा आकर्षण का केंद्र

सभा मे नौ देशों के डेलीगेट भी शामिल हुए जो विश्व की सबसे बडे राजनैतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी की लोकतांत्रिक चुनावी सभा ओर केम्पेन का अध्ययन करने आए थे। यह विदेशी डेलीगेट में विभिन्न देशों के राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल थे। भोपाल से कार द्वारा सिरोंज विश्राम गृह में पहुँचने पर विधायक उमाकान्त शर्मा के मार्गदर्शन में सभी अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। इन विदेशी मेहमानों को बेटियों ने तिलक लगाकर आगवानी की वही व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओं ने सभी मेहमानों का केसरिया पगड़ी मोती की माला,केसरिया पटका सिरोंज की प्रसिद्ध मिठाई भेंट कर पुष्पवर्षा कर पारंपरिक स्वागत किया। इसके उपरांत यह सभी विशेष सुरक्ष में सभास्थल पर पहुँचे।

देश की सेना आतंकवादी घटनाओं का घर में घुसकर जवाब देती है

मोहन यादव मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सशक्त तो बनाया यह साथ ही सेना को इतना मजबूत और ताकतवर बना दिया कि हमारी सेना आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वालों को उनके घर में घुस का जवाब देने का काम करती है। कांग्रेस तथा घमंडी का गठबंधन के नेताओं तीख हमला बोला और कहा कि हिम्मत है तो दिल्ली से घोषणा करें कि मथुरा में कृष्ण जी के मंदिर के लिए हम समर्थन करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करेगे यह राम के और कृष्ण के नहीं है एक बार जरूर सोचना कांग्रेस के नेता बुलाने पर भी राम जी के मंदिर नहीं गए आज तक नहीं गए हैं,। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी अयोध्या नहीं पहुंची है जो राम का नहीं वह किसी का नहीं है। घमंडी गठबंधन वालों को मुंहतोड़ जवाब देकर चुनाव में करारा जवाब देना है उसके लिए सभी लोग तैयार हो जाएं। लता दीदी को भारी मतों से विजय बनाकर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है। हम विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे मैं सिरोंज शिक्षा मंत्री था तब आया था पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा और उमाकांत शर्मा ने क्षेत्र विकास के लिए बहुत काम किया है। लोकसभा प्रत्याशी लता वानखेड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की दशा और दशा बदल गई है। 10 साल में मोदी ने जो काम की है वह कांग्रेस 75 सालों में भी नहीं कर पाए उनके काम की एक बार तुलना कर लेना वहीं विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज और लटेरी क्षेत्र के लोगों की भावना प्रकट करते हुए कहा कि सिरोंज को रेलवे लाइन और जिला बनाने का जो सपना अधूरा है उसको पूरा करें यहां जनता की इच्छा है इस पर लता वानखेड़े ने ने कहा कि आप मुझे सांसद बनाकर भेजिए क्षेत्र की जनता की आशा को कभी धूमिल नहीं होने दूंगी। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने गदभेट करके जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्वागत किया साथ वहां गधा लेकर मंच पर घूमे पूरे सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिरोंज का नाम एक बार भी नहीं लिया। वहां 6रू40 पर सभा स्तर पर पहुंचे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत,पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ,पूर्व मंत्री सूर्य प्रकाश मीणा, विधायक हरि सिंह सप्रे, विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, रूपेश यादव, शिवकुमार भार्गव ,सचिन शर्मा आदि मौजूद थे।

बुंदेली लोकगीत पर नाचे विधायक

कार्यक्रम में बुंदेलखंड के प्रसिद्ध लोकगीत गायक हल्केराम कुशवाह को भी बुलाया गया था। गाँव गाँव से यहाँ पहुँचे नागरिको ओर माता बहिनों का कार्यक्रम में दोपहर 2 बजे से आना प्रारम्भ हो गया था। बुंदेली गीतों के बीच विधायक उमाकान्त शर्मा अपने कार्यकर्ताओं के बीच पहुँचे। यहाँ ई होने बुंदेली गीतों के साथ राम भजनों पर नृत्य भी किया। कमल के फूल की साड़ी पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुई लाडली बहनों के बीच पहुँचकर विधायक शर्मा ने उनकी कुशल क्षेम भी जानी। भीषण गमी के बीच सभामण्डप में बैठे हजारों लोगों को भाजपा कार्यकर्ता पानी पिलाने का भी इंतजाम करते रहे।

कांग्रेसियों ने ली भाजपा की सदस्यता

कार्यक्रम के शुरुआत में ही अनेक कांग्रेसी नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की रीति नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ली। सदस्यता लेने वालों में सिरोंज लटेरी विधानसभा की अनेक पंचायतों के सरपंचगण व पार्षद शामिल है सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राकेश पालीवाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार, लाखन राजपूत देवपुर, राजेश बघेल बांसखेड़ी, प्रदीप बघेल, उमेश पटेल, पार्षद प्रतिनिधि राजू कुशवाह, अरविंद पालीवाल, संजय चौरसिया सहित नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ली।

मेट्रो एंकर

बीएलओ सहित मतदान केन्द्रवार अमले का हौसला अफजाई

मतदान का प्रतिशत कम ना हो, मतदान पर विशेष ध्यान दें : व्यय प्रेक्षक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज। लोकसभा निर्वाचन की मतदान तिथि सात मई को सभी मतदाता अपने अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान जरूर करें कि मनसा से अवगत कराते हुए मतदान केन्द्रो पर किए जाने वाले प्रबंधों के साथ-साथ मतदान कर्मियों के लिए क्या दायित्व हैं पर आधारित मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन कुरवाई के उत्सव गार्डन में आयोजित किया गया था। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 05 सागर के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक मधुर अग्रवाल ने आज कुरवाई के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होकर संबंधितों से कहा कि मतदान का प्रतिशत कम ना हो इस बात की विशेष पहल की जाए। उन्होंने डोर टू डोर संपर्क करने पर बल देते हुए कहा कि मतदाताओं को बार-बार स्मरण कराए जाने पर वे मतदान करने हेतु जरूर आएंगे।

व्यय प्रेक्षक श्री अग्रवाल ने कहा कि हरेक बीएलओ अपने-अपने कार्यक्षेत्र के अन्य सहयोगियों के साथ मतदाताओं से सतत सम्पर्क में रहे ताकि सम्पर्क चौन टूट ना पाए। उन्होंने बीएलओ से कहा कि डोर-टू-डोर सम्पर्क के दौरान मतदाताओं को यह भी आश्वस्त कराए कि निर्वाचन आयोग द्वारा हरेक मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की सुविधा को ध्यानगत रखते हुए क्रियान्वयन की जबावदेंही सौंपी है जिसमें मतदाताओं को पीने के लिए जल, धूप से बचाव के लिए शेड, आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय सुविधा के अलावा मतदान केन्द्रो में बिजली, पंखा समेत अन्य सुविधाएं मतदानकर्मियों के साथ-साथ मतदाताओं के लिए मुहैया कराई गई है। उन्होंने कहा कि मतदाता पंक्तिबद्ध रो में अधिक समय तक ना लगे इसके लिए स्थानीय स्तर पर ऐसे प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं कि मतदाता आएं और वोट डालकर सुगमता से घर जा सकें। व्यय प्रेक्षक श्री मधुर अग्रवाल ने कुरवाई के उत्सव गार्डन में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यक्रम में शामिल बीएलओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी तथा स्वीप पार्टनर्स सहित अन्य को संबोधन के उपरांत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप की शपथ का वाचन किया जिसे कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य सभी अधिकारियों व प्रशिक्षणार्थियों ने दोहराया है।

कलेक्टर ने कहा कि कुरवाई विधानसभा निर्वाचन के दौरान सबसे कम मतदान का प्रतिशत 66 रहा है और सबसे अधिक 91 अर्थात हरेक मतदान केन्द्र शैक्षणिक प्रतिशत के आधार पर प्रथम श्रेणी में शामिल है। उन्होंने इसी स्पीड को बनाए रखने और कम से कम अब हरेक मतदान केन्द्र मेरिट सूची में शामिल हो अर्थात 80 प्रतिशत से अधिक हो। ऐसे मतदान केन्द्र जहां 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है उन मतदान केन्द्रो के बीएलओ को विशेष पहल कर 100 प्रतिशत मतदान कराने की जिले में नवाचार पहल करे। कलेक्टर ने अपने पूर्व पदस्थापना जिले में मतदान केन्द्र पर 100 प्रतिशत मतदान कराने के लिए किए गए प्रबंधो पर भी गहन प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा है कि हरेक मतदाता की लाइन लिस्टिंग की गई ताकि मतदान करने तक शत प्रतिशत टेऊकिंग का कार्य किया जा सकें। किस घर में कितने मतदाता है कौन मतदान करने आता है कौन नहीं आता है कि जानकारी संबंधित बीएलओ को पता होती है। अतः थोडे से प्रयास करने पर ही शत प्रतिशत मतदान कराया जाना संभव है।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में मतदाता पर्ची का वितरण कार्य किया चुका है अतः डोर-टू-डोर सम्पर्क के दौरान मतदाताओ को आमंत्रण पत्रिका व पीले चावल से न्यौता देते वक्त इस बात का भी पता लगाया जाए कि उन्हें मतदाता पर्ची प्राप्त हुई है कि नहीं। हरेक मतदाता को मतदाता पर्ची अकेले से मतदान की सुविधा नहीं मिलेगी इसके लिए मतदाता पर्ची के साथ-साथ ईपिक कार्ड अथवा आयोग द्वारा निर्धारित 12 अन्य फोटोयुक्त दस्तावेंजो में से किसी एक की प्रति साथ लाना अनिवार्य है इस बात की भलीभांति जानकारी डोर-टू-डोर सम्पर्क के दौरान अनिवार्य रूप से दी जाए। ताकि मतदाता मतदान के लिए किसी भी प्रकार से भटकाव से बच सकें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के ऐसे मतदान केन्द्र जहां 100 प्रतिशत मतदान कराया जाएगा वह मतदान केन्द्र अपने आप राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर लेगा और संबंधित मतदान केन्द्र के सभी मतदाताओं को शासन की शत प्रतिशत योजनाओ का लाभ दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने आप को सजग रखते हुए इन कार्यो को मूर्तरूप दे सकते है। उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाता जो मतदान करने नहीं आते उनका वाट्सएप ग्रुप तैयार करें ताकि उन्हें बार-बार मतदान तिथि का स्मरण कराया जा सकें।

आईपीएल: नटराजन बने टॉप विकेट टेकर

हारकर भी नंबर-1 पर आरआर आज हारी तो एमआई बाहर

नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में लीग स्टेज के 50 मैच खत्म हो चुके हैं। गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया। इस नतीजे से हैदराबाद ने टॉप-4 में एंट्री कर ली, वहीं राजस्थान अब भी टॉप पर कायम है।17वें सीजन में आज मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुंबई में मैच खेला जाएगा। मुंबई के 10 मैचों में 3 जीत और 7 हार से महज 6 पॉइंट्स हैं और टीम 9वें नंबर पर है। आज अगर टीम हारी तो प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बनेगी। जीतने पर टीम 8वें नंबर पर पहुंच जाएगी। मुंबई को प्लेऑफ रेस में बने रहने के लिए आखिरी चारों मैच जीतने ही होंगे।

हैदराबाद ने बनाई टॉप-4 में जगह

गुरुवार को हैदराबाद ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। राजस्थान ने जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। सनराइजर्स हैदराबाद के 10 मैचों में 6 जीत और 4 हार से 12 पॉइंट्स हो गए। टीम चौथे नंबर पर पहुंची, इससे पहले हैदराबाद पांचवें नंबर पर था। राजस्थान रॉयल्स को 10 मैचों में दूसरी ही हार मिली, टीम 8 जीत से 16 पॉइंट्स लेकर टॉप पर है। उन्हें क्वालिफाई करने के लिए 4 मैचों में महज एक ही जीत चाहिए।

रेड्डी ने लगाए रिकॉर्ड 8 सिक्स

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नितिश कुमार रेड्डी ने पारी में 8 छक्के लगाए। इसी के साथ वह एक पारी में हैदराबाद से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर में पहले नंबर पर पहुंचे। उनके साथ इस पोजिशन पर डेविड वॉर्नर, हेनरिक क्लासन, ट्रैविस हेड और मनीष पांडे भी हैं। सभी एक-एक बार पारी में 8 सिक्स लगा चुके हैं।

एसआरएच बैटर का हाईएस्ट स्कोर बनाया

नितिश कुमार रेड्डी ने 42 बॉल पर 76 रन की पारी खेली। उन्होंने अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है, इसी के साथ वह हैदराबाद के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले अनकैप्ड प्लेयर बने। उन्होंने राहुल त्रिपाठी के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने 2022 में 76 रन की पारी खेली थी। कल के मैच में राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल ने 4 ओवर में 62 रन दिए, यह किसी स्पिनर का दूसरा सबसे महंगा स्पेल रहा। इससे पहले मुजीब उर रहमान ने भी हैदराबाद के ही खिलाफ 66 रन दिए थे।

कोलकाता नाइटराइडर्स पहुंच सकती है प्लेऑफ के करीब

कोलकाता नाइटराइडर्स के 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार से 12 पॉइंट्स हैं। टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। मुंबई को हराकर टीम 14 पॉइंट्स के साथ टॉप-2 में अपनी सिचुएशन मजबूत कर लेगी। हारने पर भी टीम बेहतर रन रेट के कारण दूसरे नंबर पर ही रहेगी। राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग टूर्नामेंट के टॉप-5 रन स्कोरर में पहुंच गए, वह चौथे नंबर पर पहुंचे। उनके 10 मैचों में 409 रन हैं। सीएसके के ऋतुराज गायकवाड 509 रन के साथ टॉप पर हैं। थंगारसु नटराजन ने राजस्थान के खिलाफ 2 विकेट लिए, इसी के साथ टॉप विकेट टेकर में वह पहले नंबर पर पहुंच गए। नटराजन के 15 विकेट हो गए। आज एमआई के जसप्रीत बुमराह 2 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच सकते हैं।

हैदराबाद ने सबसे छोटा स्कोर बनाया

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पावरप्ले के 6 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 37 रन ही बना सकी। यह इस सीजन उनका सबसे छोटा पावरप्ले स्कोर रहा, इससे पहले मुल्लांपुर के मैदान पर टीम ने 40 रन बनाए थे। टीम पावरप्ले के 6 ओवरों में 125 रन का रिकॉर्ड स्कोर भी बना चुकी है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 2024 के सीजन में 5वीं बार 200 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया। टीम एक सीजन में सबसे ज्यादा 200 रन बनाने वाली टीमों में दूसरे नंबर पर पहुंची। मुंबई ने पिछले सीजन 6 बार 200 से ज्यादा रन के स्कोर बनाने का रिकॉर्ड बनाया था।

बाउंड्री मास्टर्स में तीसरे नंबर पर पहुंचे हेड

एसआरएच के ट्रैविस हेड ने राजस्थान के खिलाफ 6 चौके लगाए, इसी के साथ टूर्नामेंट के टॉप बाउंड्री मास्टर्स में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। सीएसके के ऋतुराज गायकवाड 53 चौकों के साथ टॉप पर हैं। हेनरिक क्लासन अब भी टूर्नामेंट के सिक्सर किंग बने हुए हैं। उन्हीं की टीम के अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं, क्लासन के 31 और अभिषेक के 28 सिक्स हैं। आज केकेआर के सुनील नरेन 8 सिक्स लगाकर टॉप पर पहुंच सकते हैं। भुवनेश्वर कुमार ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पावरप्ले में 2 विकेट लिए। पावरप्ले में कुल 67 विकेट हो गए। वह टूर्नामेंट के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

अब हो रहे नए प्रयोग: युगल मुकाबलों को तेज और रोचक बनाने की कवायद

नईदिल्ली, एजेंसी

टेनिस सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक हैं लेकिन इसमें डबल्स मुकाबलों के प्रति प्रशंसकों की दिलचस्पी घट रही थी। इस कारण इस प्रारूप को तेज बनाने और ज्यादा दिलचस्प बनाने के लिए कुछ नए प्रयोग किए जा रहे हैं। एटीपी ने कुछ समय पहले घोषणा करते हुए कहा था कि नए प्रारूप का परीक्षण इस महीने के अंत में मैड्रिड ओपन और पूरे सीजन के दौरान चुनिंदा टूर्नामेंट में किया जाएगा। लेकिन मैड्रिड ओपन के दौरान ये प्रयोग कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आ रहा है।

ब्रिटेन के शीर्ष युगल खिलाड़ी जैमी मरे ने कहा, युगल के लिए 15 सेकेंड बहुत कम हैं। एकल में आप सहज भाव से खेलते हैं लेकिन युगल में बहुत अधिक रणनीति की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि यह खेल के लिए अच्छा नहीं। मरे ने कहा, खेल के प्रति नए प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए डबल्स मैचों का सोशल मीडिया पर अधिक प्रचार और प्रसार करना चाहिए। युगल मुकाबलों को रोमांचक बनाने के लिए ज्यादा एकल खिलाड़ियों को प्रवेश करने की अनुमति दी गई। 32 ड्रॉ में उनकी एकल रैंकिंग का उपयोग करके प्रवेश करने वाली जोड़ियों के लिए 16 स्लॉट शामिल किए गए। मैड्रिड ओपन में 20 एकल खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। 2अभी तक टीमों को तीन शॉट तक की रैलियों के बाद अंक लेने के लिए 25 सेकेंड तक का समय दिया जाता था, लेकिन अब सिर्फ 15 सेकेंड की अनुमति दी जाएगी। युगल खिलाड़ियों को आमतौर पर पहले सेट में हर दो गेम के बाद विश्राम करने के लिए 90 सेकेंड का समय मिलता था, जिसे घटाकर 60 सेकेंड कर दिया गया है। जब खिलाड़ी मैच के दौरान अंक हासिल कर लेंगे, उस दौरान प्रशंसक स्टेडियम के चारों और स्वतंत्र होकर घूम सकेंगे। इससे प्रशंसकों को ज्यादा रोमांच हासिल होगा। एब्डेन वर्तमान युगल विश्व नंबर एक व एटीपी प्लेयर काउंसिल के अध्यक्ष मैट एब्डेन ने कहा, मेरे लिए, यह काफी रोमांचक है। हमने इस बात पर ध्यान दिया कि हम गेम को कैसे गति दे सकें, ताकि इसे प्रशंसकों के लिए एक बेहतर उत्पाद बनाया जा सके।

यूएफा चैंपियंस लीग

बार्यन म्यूनिख के साथ सेमीफाइनल मुकाबले का पहला लेग 2-2 से ड्रॉ रहा

म्यूनिख, एजेंसी

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर के अंतिम समय में किए गए गोल से रियाल मैड्रिड ने यहां खेले गए यूएफा चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले लेग में बार्यन म्यूनिख के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

मैच के 82वें मिनट तक बार्यन म्यूनिख ने लेरॉय साने (53वें) और हैरी केन (57वें) के गोल की बदौलत 2-1 से बढ़त बना ली थी। लेकिन विनिसियस जूनियर ने मैच के 83वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। अब दूसरे लेग के मैच में जो टीम जीतेगी, वह फाइनल में पहुंचेगी। विनिसियस जूनियर ने रियाल मैड्रिड को हार से बचाया है। 08 पिछले मैचों से बार्यन म्यूनिख के खिलाफ रियाल मैड्रिड अजेय है19 पिछले मैचों में से रियाल मैड्रिड घरेलू मैदान पर 18 में नहीं हारी है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

जान्हवी ने अपने और शिखर के रिश्ते को किया कन्फर्म

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। धड़क गर्ल लंबे समय से शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं, लेकिन इस कपल ने कभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से जान्हवी मीडिया में अलग-अलग अंदाज में अपने प्यार का इजहार करती नजर आ रही हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ. गुरुवार को एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक देखने को मिला।

बॉयफ्रेंड का नाम फ्लॉन्ट किया

जान्हवी कपूर लंबे समय से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते और बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं। हाल ही में मैदान की स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे। जहां उन्होंने अपने आउटफिट के साथ शिखू नाम का पेंडेंट पहना था, जो शिखर पहाड़िया का निकनेम है। अब एक बार फिर एक्ट्रेस ने शिखू नाम का जलवा बिखेरा है. हाल ही में दोनों को तिरूपति मंदिर में देखा गया। यह जोड़ा घुटनों के बल मंदिर की सीढ़ियां भी चढ़ा। जान्हवी कपूर के लुक की बात करें तो वह ब्लैक एंड व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिनिमल मेकअप किया हुआ है। लाइट शेड की लिपस्टिक एक्ट्रेस के लुक को कम्पलीट कर रही है। जान्हवी कपूर का अंदाज देख फैंस दीवाने हो रहे हैं। जान्हवी कपूर का लेटेस्ट फोटोशूट सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। जान्हवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की झोली में इन दिनों कई बड़ी फिल्में हैं। उनके पास राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' है। इसके अलावा जान्हवी साउथ फिल्म 'आरसी 16' और 'देवरा' में भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म 'बवाल' में नजर आई थीं।

साजिद नाडियाडवाला ने रजनीकांत की बायोपिक के राइट्स किए हासिल

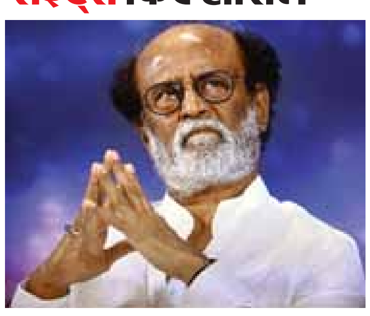

फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने रजनीकांत की बायोपिक के राइट्स हासिल कर लिए हैं, जिसमें उनके सुपरस्टार बनने की शुरुआत को दर्शाया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नाडियाडवाला ने बायोपिक के राइट्स के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। उन्होंने 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी, 'सत्यप्रेम की कथा', 'जुड़वा 2' और 'किक' जैसी कई अन्य फिल्में बनाई हैं। करीबी सूत्र के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया, नाडियाडवाला का मानना है कि रजनीकांत की बस कंडक्टर से सुपरस्टार बनने की कहानी दुनिया को दिखाने के लायक है। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कहानी कहने में प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए नाडियाडवाला सुपरस्टार और उनके परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं और दावा किया है कि यह सबसे बड़ी कहानी होगी।

जर्नलिस्म के अनदेखे पहलुओं को दिखाती है 'द ब्रोकन न्यूज सीजन 2'

'द ब्रोकन न्यूज सीजन 2' ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जी' पर रिलीज हो गया है। इससे पहले कि आप इसे देखने का फैसला करें, आइए जानते हैं कि इस सीरीज का यह सीजन कैसा है। सीरीज़ की कहानी पहले सीज़न से आगे जाती है। 8 एपिसोड की यह सीरीज शुरू होते ही सामाजिक मुद्दों, सरकार और मंत्रियों के बीच फंसी पत्रकारिता या यूं कहें कि पत्रकारिता और शोर के बीच तनाव दिखने लगता है. मूलत: कहानी दो अलग-अलग विचारधाराओं की है. यह प्रतिद्वंद्विता दो न्यूज चैनलों जोश 24*7 और आवाज भारती न्यूज के बीच चल रही है। सीरीज में दोनों चैनलों में काम करने वाले दो पत्रकारों दीपांकर सान्याल (जयदीप अहलावत) और राधा भार्गव (श्रिया पिलगांवकर) के बीच विचारधारा की लड़ाई दिखाई गई है।

मेट्रो बाजार

देश के विनिर्माण सेक्टर में मजबूत वृद्धि का दौर अप्रैल में भी जारी

नईदिल्ली, एजेंसी

मजबूत मांग के दम पर देश के विनिर्माण क्षेत्र में अप्रैल में भी तेज वृद्धि दर्ज की गई, हालांकि इसकी दर मार्च में दर्ज ऐतिहासिक उच्चतम स्तर से मामूली रूप से कम रही। गुरुवार को जारी एचएसबीसी सर्वे में यह तथ्य समाने आया है। राजमार्गों, रेलवे, पावर प्लांट और बंदरगाहों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर सरकारी निवेश के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। इनका रोजगार सृजन और आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा जिससे वस्तुओं और सेवाओं की घरेलू मांग बढ़ी है।

एचएसबीसी फाइनल इंडिया विनिर्माण पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में 58.8 दर्ज किया गया जो मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। यह मार्च के 59.1 के रिकॉर्ड स्तर से मामूली रूप से कम है। सूचकांक लगातार 34वें महीने सकारात्मक रहा है। इसका 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में वृद्धि और उससे कम रहना गिरावट को दिखाता है। सूचकांक का 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है। भारत के लिए एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, मजबूत मांग के कारण अप्रैल के विनिर्माण पीएमआई में पिछले साढ़े तीन साल की दूसरी सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। कंपनियों ने मांग के मजबूत बने रहने की आशा व्यक्त की है जिससे कारोबारी उम्मीद में सुधार हुआ। उन्होंने अगले एक साल में उत्पादन बढ़ाने की भी बात कही। इसी कारण कंपनियों अप्रैल में नई नौकरियां दीं। कच्चे माल की लागत और कर्मचारियों के वेतन में भी वृद्धि हुई है।

अदाणी विल्मर का चालू वित्तवर्ष में शुद्ध लाभ बढ़ा

अहमदाबाद, एजेंसी। अडाणी विल्मर ने समाप्त तिमाही के लिए कर के बाद लाभ (पीएटी) में 67 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 157 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 94 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, पूरे साल (वित्तवर्ष 24) के लिए राजस्व 51,262 करोड़ रुपये रहा। खाद्य और एफएमसीजी खंड लगभग 5,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो दो साल में लगभग दोगुना हो गया। चौथी तिमाही में कंपनी ने 13,238 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया।

कंपनी ने कहा कि मात्रा के हिसाब से जहां खाद्य तेलों में 11 फीसदी और खाद्य और एफएमसीजी में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं ऑयल मील के निर्यात कारोबार में गिरावट के कारण चौथी तिमाही में कुल मात्रा में वृद्धि घटकर 3 फीसदी (साल-दर-साल) रह गई। अदाणी विल्मर लिमिटेड के एमडी और सीईओ अंगशु मल्लिक ने कहा, ÷खुदरा पैठ बढ़ने के कारण हमने अपने खाद्य तेल और खाद्य कारोबार में मजबूत वृद्धि देखी है। बिक्री और मार्केटिंग में एक केंद्रित दृष्टिकोण और प्रत्येक श्रेणी में क्षेत्रीय दृष्टिकोण से बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही है।÷ वित्त वर्ष 2024 में खाद्य और एफएमसीजी व्यवसाय की बिक्री 10 लाख मीट्रिक टन (एमटी) तक पहुंच गई और कंपनी ने कुल बिक्री में 60 लाख मीट्रिक टन को पार कर लिया।

- हमीदिया अस्पताल में सिक्युरिटी गार्ड्स की गुंडागर्दी, घेरने के बाद डंडे और बेल्ट से मारपीट,
- सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल

एक्सीडेंट में घायल भाई को देखने पहुंचे चाचा भतीजों को गार्ड ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल परिसर में एक्सीडेंट में घायल छोटे भाई को देखने पहुंचे बड़े भाई और उसके चाचा से मारपीट का मामला सामने आया है। दरअसल, वह इमरजेंसी गेट के पास खड़े थे, तभी गार्ड ने उनसे पूछा कि यहां कैसे खड़ा है। पीड़ित ने कहा कि भाई का एक्सीडेंट हो गया है और उसे देखने के लिए आया हूं। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी गार्ड ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई लगा दी। उसके बचाव में उसे चाचा पहुंचे तो गार्ड्स ने उनसे भी मारपीट की है। पुलिस ने आरोपी गार्ड दिवेश और उसके साथियों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार रामबाबू अहिरवार पिता शिब्बू अहिरवार (37) पुलिस चौकी के पीछे, न्यू गांधी नगर टीलाजमालपुरा में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उनका छोटा भाई राजाबाबू अहिरवार है। राजाबाबू अहिरवार को एक्सीडेंट हो गया था। रामबाबू अपने चाचा बाबूलाल और पत्नी समेत परिवार के साथ भाई को देखने अस्पताल पहुंचे। राजाबाबू ए ब्लॉक स्थित चार नंबर वार्ड में भर्ती था। परिजन इमरजेंसी गेट के पास खड़े थे। इस दौरान रामबाबू के पास गार्ड दिवेश पहुंचा और

रामबाबू से पूछने लगा कि यहां क्यों खड़ा है। इस पर रामबाबू ने कहा कि छोटे भाई का एक्सीडेंट हो गया है और उसे गंभीर चोट आई हैं परिवार समेत उसे देखने आया है। इस पर गार्ड दिवेश ने उसे धमकाते हुए गेट से दूर जाकर खड़े रहने का कहा था। इस पर रामबाबू ने गार्ड दिवेश का विरोध किया और विवाद बढ़ गया।

बचाने की गुहार लगाती रही महिला पीटते रहे आरोपी गार्ड्स

मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद कुछ इस तरह बढ़ा कि गार्ड्स ने रामबाबू के साथ बेल्ट और डंडे से मारपीट शुरू कर दी। गार्ड्स को एकत्रित होता देख रामबाबू ने दौड़ लगाई और कुछ दूरी पर जाकर वह गिर गए। बावजूद इसके गार्ड्स उन्हें पीटते रहे। महिला गार्ड्स से रामबाबू को छोड़ने की गुहार लगा रही थी, लेकिन गार्ड्स का गुस्सा शांत नहीं हो रहा था। गार्ड्स ने दिवेश के बचाव में आए उनके चाचा बाबूलाल अरिहवार से भी मारपीट की है।

सहेली के भाई ने युवती की कार का कांच फोड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ बदसलूकी करने और डंडा मारकर कांच फोड़ने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक निशातपुरा इलाके में रहने वाली तीस वर्षीय युवती प्रायवेट नौकरी करती है। उसकी एक सहेली अवधपुरी में रहती है। मंगलवार की शाम करीब पांच बजे युवती अपनी सहेली से मिलने के लिए उसके घर पहुंची थी। उसने देखा कि सहेली का भाई रामचंद्र घर के बाहर बैठा है तो वह कार मोड़कर वापस जाने लगी। इस पर रामचंद्र ने पीछा करते हुए अवधपुरी तिराहे के पास उसे रोक लिया और डंडा मारकर कार का कांच फोड़ दिया। युवती घर चली गई तो बाद में उसने फोन पर बदसलूकी करते हुए घर की तरफ नहीं आने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला की स्कूटर में अज्ञात व्यक्ति ने की तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा में एक महिला की स्कूटर में अज्ञात व्यक्ति ने तोड़फोड़ कर दी। पुलिस के मुताबिक एयरपोर्ट रोड पर रहने वाली आकांक्षा नामक महिला ने बुधवार शाम को अपनी स्कूटर दाता कालोनी के पास खड़ी की और काम से लालघाटी की तरफ चली गई। कुछ देर बाद वापस लौटी तो देखा कि एक व्यक्ति उनकी स्कूटर में तोड़फोड़ कर रहा है। उन्होंने उसे ऐसा करने से मना किया तो युवक बदसलूकी करते हुए धमकी देने लगा। तोड़फोड़ के कारण स्कूटर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बाद में उन्होंने थाने जाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म मामला: सबूत जुटा रही पुलिस, बच्चों से एसआईटी ने की पूछताछ

मेडिकल बोर्ड ने तीसरी बार किया मेडिकल, दुष्कर्म की पुष्टि नहीं

लाइन अटैच एसआई के भी बयान दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। होशंगाबाद रोड पर संचालित होने वाले ज्ञान गंगा आर्किड द इंटरनेशनल स्कूल के हॉस्टल में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। एसआईटी की टीम ने गुरुवार को बच्ची का तीसरा बार मेडिकल बोर्ड में परीक्षण कराया। डॉक्टर की पैनल ने अपने ओपिनियन में दुष्कर्म नहीं होने की बात कही है। हालांकि डॉक्टर्स अपनी फाइनल रिपोर्ट शुक्रवार को पेश करेगी। इसके अलावा एसआईटी की टीम ने बच्चों के बयान भी दर्ज किए है। बयान में बच्चों ने बताया कि दीदी ने अपने साथ हुई किसी भी गलत काम की बात नहीं की है।

मामला मासूम से जुड़ा होने के कारण पुलिस की टीम लगातार सबूत जुटाने में लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि अपर्याप्त सबूत होने से गिरफ्तारी का कोई औचित्य नहीं है। इससे कोर्ट में आरोपी पक्ष को तत्काल जमानत मिल सकती है। पीड़िता की मां ने पुलिस को घटना की सही दिन और तारीख नहीं बताई है। पुलिस करीब आठ दिन से शिकायत होने तक के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। अभी तक फुटेज में कोई भी पुरूष हॉस्टल में जाता हुआ नजर भी नहीं आया है।

लाइन अटैच एसआई के भी बयान दर्ज: एसआईटी की टीम ने प्रकाश राजपूत के बयान भी दर्ज किए है। पांच पन्ने के उनके बयान में उन्होंने केवल यही बताया कि उन्होंने केवल बच्ची की मां की मदद इसलिए की थी क्योंकि उनकी पहचान थी। बच्ची की मां ने एडमिशन के लिए कहा था और स्कूल में पहचान होने के कारण उन्होंने एडमिशन करा दिया।

उल्लेखनीय है कि 31 साल की महिला ने अपनी 8 साल की बेटी का 19 अप्रैल को मिसरोद इलाके के बोर्डिंग स्कूल में दूसरी कक्षा में एडमिशन कराया था। सोमवार को मां बच्ची को लेकर जेपी अस्पताल गई, जहां चेकअप के बाद डॉक्टर ने बताया कि बच्ची के प्राइवेट पार्ट में सूजन और ब्लीडिंग हुई है। मंगलवार रात मिसरोद पुलिस ने अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया था। सीएम के निर्देश पर जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी।

दूसरी और तीसरे मेडिकल में दुष्कर्म से इंकार

मासूम के पहली बार हुए मेडिकल में बच्ची के प्राइवेट पार्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी, जबकि दूसरी बार उसका मेडिकल करने वाले डॉक्टर ने अपनी रिपोर्ट में दुष्कर्म की बात से इंकार कर दिया। गुरुवार को डॉक्टर्स के पैन ने मेडिकल किया, लेकिन इस बार भी रेप होने की बात स्पष्ट नहीं हो सकी है। हालांकि मेडिकल बोर्ड ने एसआईटी को रिपोर्ट पेश नहीं की है। शुक्रवार को मेडिकल बोर्ड अपनी रिपोर्ट पेश करेगा।

दीदी खेल खेल में मारती थी मुक्का

एसआईटी की टीम गुरुवार को हॉस्टल पहुंची थी। वहां बच्चों के बयान दर्ज किए गए। एसआईटी ने उन बच्चों को बयान के लिए चुना जो बच्ची के साथ वार्डन, स्कूल प्रबंधन से जुड़े लोगों को जानते हैं। बच्चों ने एसआईटी को बताया कि जिस दिन वह घर गए तब दीदी खुश थी। उसने हम लोगों को कोई घटना नहीं बताई थी। उन्होंने यह भी बताया कि दीदी खेल खेल में खुश होकर उनकी पीठ पर मुक्का भी मारती थी।

मोदी सर का बहुत कम था आना जाना

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि हॉस्टल में केवल प्रियंका मोदी का ही आना जाना होता था। उनके पति व स्कूल संचालक मोदी सर का आना जाना बहुत कम होता था। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर भी मोदी कहीं नजर नहीं आए है, लेकिन एसआईटी का संदेह मोदी और वार्डन संगीता पर इसलिए गहराता जा रहा है क्योंकि वह घटना के बाद से ही फरार है।

पहले दिन शिकायत करने में आनाकानी

पुलिस का कहना है कि सोमवार को बच्ची की मां थाने पहुंची थी और उन्होंने शिकायत करने की बात कही। पुलिस ने तत्काल एफआईआर करने की बात कही तो वह कहने लगी कि एक दिन का समय चाहिए। पुलिस ने शिकायत कराने का कहा था, लेकिन वह सोमवार को शिकायत करने के लिए तैयार नहीं थी। पुलिस ने उनसे लिखित में लिया था कि वह आज एफआईआर क्यों नहीं कराना चाहती है लिखकर दें। मंगलवार को वह दौबारा पुलिस थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

झेलम एक्सप्रेस में बम की अफवाह, सूचना देने वालों को पकड़ा, डेढ़ घंटे तक सर्चिंग के बाद ट्रेन रवाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

झेलम एक्सप्रेस में बम रखे होने की सूचना मिलने से हड़कंप की स्थिति बन गई। दरअसल, एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि ट्रेन में बम रखा हुआ है। सूचना के बाद हरकत में आई जीआरपी ने करीब डेढ़ घंटे ट्रेन को रानी कमलापति पर ट्रेन को रोके रखा और सर्चिंग की, लेकिन ट्रेन में बम रखे होने की जानकारी झूठी निकली। इसके बाद झेलम एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। सूत्रों की माने तो झूठी सूचना देने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जीआरपी ने बताया कि आज सुबह झेलम एक्सप्रेस रानी कमलापति स्टेशन पर पहुंच रही थी, तभी एक व्यक्ति ने जीआरपी को सूचना दी थी कि ट्रेन में बम रखा हुआ है।

रानी कमलावती स्टेशन पर ट्रेन में बम की सूचना मिलते ही जिसे सूचना दी थी उसे पुलिस ने दबोचा लिया। फिर पुलिस ने स्टेशनों पर सर्चिंग की।

ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर युवक ने खाया जहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला इलाके में एक युवक ने ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। युवक ने मरने से पहले पिता को फोन कर कहा कि वो गेम में बहुत पैसे हार चुका है। युवक ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को युवक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। छोला पुलिस ने बताया कि इंद्राज उर्फ शेतान सिंह प्रजापति इमलिया गांव का रहने वाला था। वह ऑटो चलाता था, बुधवार की शाम को उसने अयोध्या बायपास पर ऑटो में ही जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद रोते हुए पिता को फोन पर कहा कि वह ऑनलाइन रमी में 60 हजार रुपए हार गया है। उसने जहर खा लिया है। पिता तत्काल रिश्तेदारों के साथ बेटे पास रवाना हुए। उसे अस्पताल पहुंचाया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मनीषा तालाब में युवक का मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित मनीषा तालाब में कल गुरुवार शाम एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है। जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। एएसआई गोविंद सोनकिया ने बताया कि चूनाभट्टी गांव स्थित मनीषा तालाब में युवक की लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। रात करीब 8 बजे के आसपास सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से कोईड़दस्तावेज नहीं मिला था। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 साल के आसपास है। उसके बाएं हाथ पर दिल गुदा हुआ है और उसमें ए लिखा है। मृतक काला पेंट और मेहरून शर्ट पहने हुए है। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के थानों में पहुंचा दिया है।

महिला को परेशान करने वाले युवक पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

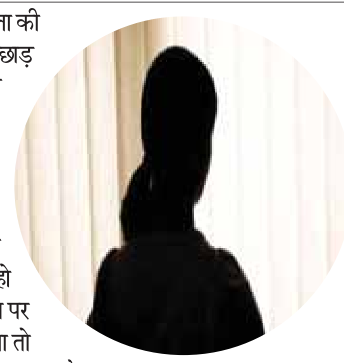

कमला नगर पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। आरोपी पिछले कई महीनों से पीड़िता को परेशान कर रहा था। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 45 वर्षीय महिला कामकाजी है। कपड़े सिलवाने के कारण उनकी संतोष नामक युवक से पहचान हो गई थी। बाद में संतोष उनसे फोन पर बात करने की कोशिश करने लगा तो उन्होंने बात करने से इंकार कर दिया। उसके बाद वह महिला का पीछा कर उसे परेशान करने लगा। समझाईश के बाद भी जब उसकी हरकतें बंद नहीं हुई तो पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें राजधानी में छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ती ही जा रही है जिस पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है जिससे इनके हौंसले बुलंद हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022